मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 336
शुक्रवार, 26 जून 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

आपातकाल वह काला दौर था, जिसमें भारतीय लोकतंत्र को निर्ममता से कुचल दिया गया था : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 25 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 25 जून को भारतीय इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक–1975 के आपातकाल–को याद करते हुए इसे संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा हमला करार दिया। सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्ल (पूर्व में ट्विटर) पर साझा किए गए अपने संदेशों में प्रधानमंत्री ने उन अनगिनत नागरिकों और विभूतियों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने उस दौर में दमन के खिलाफ आवाज उठाई और भारतीय संविधान के आदर्शों की रक्षा की।

प्रधानमंत्री ने आपातकाल को भारत के इतिहास के ह्यह्यसबसे अंधकारमय अध्यायों में से एकह्ल बताते हुए इस दौरान लोकतांत्रिक मूल्यों की दृढ़तापूर्वक रक्षा करने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि आपातकाल ने उन अनगिनत नागरिकों के असाधारण साहस को भी उजागर किया, जिन्होंने चुप रहने से इनकार किया और संविधान में निहित आदर्शों को बनाए रखा।

सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्ल पर एक पोस्ट में, 1975 में इसी दिन लागू किए गए आपातकाल का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, ह्लआपातकाल हमारे संविधान पर सीधा हमला था। इस दौरान नागरिक स्वतंत्रताओं को निलंबित कर दिया गया, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाए गए, राजनीतिक नेताओं, पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया तथा हमारे लोकतंत्र की आधारशिला माने जाने वाले

संस्थानों पर प्रहार किया गया।ह्ल ह्लप्रधानमंत्री ने कहा कि देशवासियों के लिए संविधान 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं, अधिकारों और कर्तव्यों का प्रतीक है। उन्होंने कहा, ह्लहम संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के प्रति अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता को दोहराते हैं।

संविधान की भावना से प्रेरित होकर हम ऐसे भारत का निर्माण करेंगे, जो न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के प्रति सदैव प्रतिबद्ध रहेगा।ह्ल भारत में 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत आपातकाल लागू रहा था। वर्ष 2025 से केंद्र सरकार इस दिन को ह्यसंविधान हत्या दिवसह्ल के रूप में मना रही है। इस संबंध में जारी राजपत्र अधिसूचना में कहा गया था कि 25 जून 1975 को आपातकाल घोषित किया गया, जिसके बाद ह्लतत्कालीन सरकार द्वारा सत्ता का दुरुपयोग किया गया और भारत की जनता को ज्यादतियों तथा अत्याचारों का सामना करना पड़ा।ह्ल

प्रधानमंत्री ने ह्यएक्सह्ल पर एक अन्य पोस्ट में कहा कि ह्यह्यसंविधान हत्या दिवसह्ल आज हमें उस काले दौर की याद दिला रहा है, जब भारतीय लोकतंत्र को बुरी तरह से कुचला गया था। उन्होंने पोस्ट में कहा, ह्लयह हमें लोकतंत्र, संविधान और नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहने को प्रेरित करता है। आपातकाल का विरोध करने वाली सभी विभूतियों को सादर नमन।ह्ल ह्ल आपातकाल की

सामान्य पासपोर्ट के लिए आवेदन शुल्क 1000 रुपये बढ़ा, 1 जुलाई 2026 से लागू होंगे नए नियम

नई दिल्ली, 25 जून। सरकार ने पासपोर्ट नियम, 1980 में संशोधन करके पासपोर्ट शुल्क के ढांचे में बदलाव किया है। इसके तहत 36 पृष्ठों वाले सामान्य नए पासपोर्ट के लिए आवेदन शुल्क 1500 रुपये से बढ़ाकर 2500 रुपये कर दिया गया है। नए नियम एक जुलाई, 2026 से लागू होंगे।

विदेश मंत्रालय की ओर से गुरुवार को प्रकाशित 20 जून की अधिसूचना के अनुसार, 36 पृष्ठों वाले सामान्य नए पासपोर्ट या पासपोर्ट को दोबारा जारी करवाने के लिए तत्काल सेवा का शुल्क 5000 रुपये होगा।

बता दें कि अभी इस श्रेणी में तत्काल सेवा के लिए शुल्क 3500 रुपये है। इसी तरह 60 पृष्ठों वाले सामान्य नए पासपोर्ट या पासपोर्ट को दोबारा जारी करवाने के लिए आवेदन शुल्क 2000 रुपये से बढ़ाकर 3500 रुपये कर दिया गया

है और तत्काल सेवा के लिए नया शुल्क 6000 रुपये होगा, जबकि पहले इसी श्रेणी के लिए यह शुल्क 4000 रुपये था।

14वां पासपोर्ट सेवा दिवस मनाए जाने के अवसर पर विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि सरकार पासपोर्ट सेवाओं को सुगम बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। पिछले एक दशक में पासपोर्ट नेटवर्क छह गुना बढ़ चुका है। देशभर में अब 500 से अधिक पासपोर्ट केंद्र कार्यरत हैं।

अकेले 2025 में 1.5 करोड़ पासपोर्ट तथा संबंधित सेवाएं प्रदान की गई हैं। इनमें से केवल पासपोर्टों की संख्या 1.39 करोड़ रही। उल्लेखनीय है कि पासपोर्ट मुख्य रूप से यात्रा का दस्तावेज है, न कि नागरिकता का प्रमाण।

अधिकारी ने बताया कि पुलिस सत्यापन को छोड़कर पासपोर्ट जारी करने में औसतन छह कार्य दिवस लगते हैं। पासपोर्ट सेवा केंद्रों और पोस्ट आफिस पासपोर्ट सेवा केंद्रों में आवेदकों द्वारा बिताया जाने वाला समय 45 मिनट से भी कम है। आज देशभर में 545 पासपोर्ट केंद्र मौजूद हैं, जबकि 10 वर्ष पहले इनकी संख्या केवल 77 थी।

अधिकारी ने बताया कि इस प्रकार पासपोर्ट केंद्रों की संख्या में लगभग छह गुना वृद्धि दर्ज की गई है। हमने पिछले साल 10 पोस्ट आफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र खोले थे और इस साल 10 और केंद्र खोले जाएंगे।

हिमाचल के पांवटा साहिब बॉर्डर पर भारी तनाव, उत्तराखंड में घुसने से रोके गए पंजाब के निहंग सिंह

पांवटा साहिब, 25 जून। पिछले दिनों हेमकुंड साहिब यात्रा पर जा रहे पंजाब के श्रद्धालुओं के साथ उत्तराखंड के करण प्रयाग व देव प्रयाग में निहंग सिंह के साथ स्थानीय लोगों ने जो मारपीट और अभद्र व्यवहार किया था।

उसके विरोध में आज शाम पंजाब से निहंग सिंह का एक दल हिमाचल के सिरमौर जिले के पांवटा साहिब पहुंचा, जो की देर शाम को उत्तराखंड में प्रवेश करने से पहले उत्तराखंड बॉर्डर पर रोक दिया गया।

इस समय उत्तराखंड बॉर्डर पर उत्तराखंड पुलिस व आईटीबीपी का कड़ा पहरा है। पंजाब से आए निहंग सिंह उत्तराखंड पुलिस से करणप्रयाग व देव प्रयाग जाने की मांग कर रहे हैं। पंजाब से सैकड़ो की संख्या में निहंग सिंह उत्तराखंड बॉर्डर पर पहुंचे हैं।

उत्तराखंड बॉर्डर पर तनातनी का माहौल बना हुआ है। उत्तराखंड सरकार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए दिन में ही भारी संख्या में पुलिस भर्ती तैनात किया है। उत्तराखंड सीमा पर माहौल भारी तनाव का बना हुआ है। उत्तराखंड की ओर से सभी प्रकार का ट्रैफिक रोक दिया गया है स्थिति और तनाव पूर्ण बढ़ती जा रही है।

शेफाली वर्मा की आंधी में उड़ी बांग्लादेश, भारत की धमाकेदार जीत; सेमीफाइनल की उम्मीदें कायम

नई दिल्ली, 25 जून। शेफाली वर्मा की तूफानी फिफ्टी के चलते भारतीय महिला टीम ने गुरुवार को विमंस टी20 विश्व कप 2026 के 23वें मुकाबले में बांग्लादेश को 5 विकेट से हराया। विश्व कप में भारत की यह तीसरी जीत है। इसके साथ ही भारत के 6 अंक हो गए हैं।

इस जीत के साथ ही भारत ने सेमीफाइनल की उम्मीदों को जिंदा रखा है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 136 रन बनाए थे। 137 रन के टारगेट को भारत ने 16.5 ओवर में चेज कर लिया। अब भारत का सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा।

बांग्लादेश की सलामी बल्लेबाज जुएरिया फिरदौस ने सबसे ज्यादा 33

रन बनाए। कप्तान निगार सुल्ताना ने 27 गेंदों पर 32 रन की पारी खेली। शोभना मोस्टोरी ने 22 रनों का योगदान दिया। भारत की ओर से राधा यादव ने सबसे ज्यादा 3 विकेट चटकाए। वहीं श्रीचरणी के खाते में 2 विकेट आए। रेणुका ठाकुर और नंदनी शर्मा को भी 1-1 विकेट मिला। 137 रन चेज करने उतरी भारतीय टीम को शेफाली वर्मा ने तेज शुरूआत दी। उन्होंने आते ही गेंदबाजों पर प्रहार शुरू किया। हालांकि, इस बीच स्मृति मंधाना सस्ते में आउट हो गईं। उन्होंने 6 गेंदों पर 8 रन बनाए। पावरप्ले में भारतीय टीम ने 1 विकेट खोकर 63 रन बना लिए थे। यह टी20 विश्व कप में भारतीय महिला टीम का पावरप्ले में सबसे ज्यादा स्कोर है।

8वें ओवर में चौका लगातार शेफाली वर्मा ने अपनी फिफ्टी पूरी की। उन्होंने 29 गेंदों पर अर्धशतक लगाया। हालांकि, फिफ्टी लगाने के बाद वह स्टंपिंग आउट हो गईं। शेफाली ने 34 गेंदों पर 53 रन की पारी खेली। वह मुकाबले की हीरो रहीं। अपनी इस पारी में शेफाली ने 8 चौकों के साथ ही 1 छक्का भी लगाया। यास्तिका भाटिया ने 23 और रिचा घोष ने 10 रन बनाए। कप्तान हरमनप्रीत कौर 13 और दीप्ति शर्मा 5 रन बनाकर नाबाद रहीं।

दिल्ली कोर्ट का साफ संदेश: देर रात फोन करने वाली महिला 'गलत' नहीं, प्राइवेसी अहम

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कहा है कि देर रात किसी पुरुष से फोन पर बात करने वाली महिला के चरित्र पर सवाल उठाने या उसके कॉल डिटेल रिकॉर्ड मांगने को सही ठहराने का यह अकेला कारण नहीं हो सकता। अदालत ने घरेलू हिंसा के एक लंबित मामले में एक व्यक्ति की अपील को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। उस व्यक्ति ने ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें उसकी पत्नी और एक अन्य व्यक्ति के कॉल डिटेल रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने की उसकी मांग को ठुकरा दिया गया था। एडिशनल सेशंस जज शुनाली गुप्ता ने उस आदेश को बरकरार रखा और कहा कि ऐसे रिकॉर्ड के लिए किसी भी अनुरोध के पीछे ठोस और उचित कारण होने चाहिए। 2 जून के एक आदेश में कोर्ट ने कहा मेरी राय में दिन के किसी भी अजीब समय पर किसी व्यक्ति से बात करने मात्र से ही महिला के चरित्र पर सवाल नहीं उठाया जा सकता।

धर्मेंद्र प्रधान देश के युवाओं से माफी मांगे : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 25 जून। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की कड़ी आलोचना करते हुए उन पर छात्रों का अपमान करने का आरोप लगाया और देश के युवाओं से माफी मांगने और इस्तीफा देने की मांग की।

पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में, गांधी ने दावा किया कि मोदी सरकार अहंकारी हो गई है और उन छात्रों को निशाना बना रही है जो अपने अधिकारों, निष्पक्ष परीक्षाओं और रोजगार के मौकों की मांग कर रहे हैं। उन्होंने लिखा कि सत्ता के अहंकार में डूबी मोदी सरकार अब उस मुकाम पर पहुँच गई है जहाँ शिक्षा मंत्री उन छात्रों को 'आतंकवादी' कह रहे हैं, जो बस अपने अधिकारों, निष्पक्ष परीक्षाओं और सुरक्षित भविष्य की मांग कर रहे हैं।

गांधी ने परीक्षा के पेपर बार-बार लीक होने और शिक्षा व्यवस्था की नाकामियों जैसे मुद्दों पर जोर दिया,

जिनका लाखों छात्रों के भविष्य पर बुरा असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि जरा सोचिए जिसकी नाकामियों की वजह से इतने सारे पेपर लीक हुए, जिसके शासन में 20 बच्चों की जान चली गई, जिसने लाखों युवाओं का भविष्य अंधेरे में धकेल दिया।

सूचना

मुहर्रम पर्व के अवसर पर उत्तरशक्ति प्रेस दिंनाक 26 जून को बंद रहेगा अगला अंक 28 जून को प्रकाशित होगा।

- संपादक

एलपीजी सिलिंडर पर बड़ा फैसला, केंद्र सरकार ने हटाई पाबंदियां

नई दिल्ली, 25 जून। औद्योगिक और व्यावसायिक एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत की खबर है। केंद्र सरकार ने नॉन-डोमेस्टिक पैक्ड एलपीजी की सप्लाई पर लगे सभी क्षेत्रीय प्रतिबंध हटा दिए हैं और आपूर्ति को पश्चिम एशिया संकट से पहले के स्तर पर बहाल कर दिया है।

साथ ही, संकट के शुरू में

निलंबित की गई थोक एलपीजी की सप्लाई को भी पूर्व-संकट खपत के 50 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया है। यह फैसला एलपीजी सप्लाई की स्थिति में हालिया सुधार के बाद लिया गया है। यह निर्णय होटलों, रेस्तरां, ढाबों, दुकानों, छोटे-बड़े उद्योगों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है जहां एलपीजी खाना पकाने, हीटिंग और अन्य प्रक्रियाओं के लिए एलपीजी जरूरी ईंधन है।

इस फैसले से आम जनता भी अप्रत्यक्ष रूप से इससे लाभान्वित होगी, क्योंकि व्यावसायिक क्षेत्र में आपूर्ति सामान्य होने से सेवाओं की कीमतों पर दबाव कम होगा और रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित होने की संभावना घटेगी। मार्च, 2026 में ईरान पर अमेरिका व इजरायल के हमले के बाद भारत में एलपीजी की आपूर्ति बाधित हुई थी। इसके बाद कई औद्योगिक प्रतिष्ठानों के बंद होने की सूचनाएं आई थी। इसकी वजह से सूरत जैसे कई शहरों से प्रवासी श्रमिकों के पलायन भी देखा गया था। अब स्थिति सामान्य हो जाएंगी।

पश्चिम एशिया संकट ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा को गंभीर चुनौती पैदा कर दी थी। भारत अपनी एलपीजी खपत का लगभग 60 प्रतिशत आयात करता है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

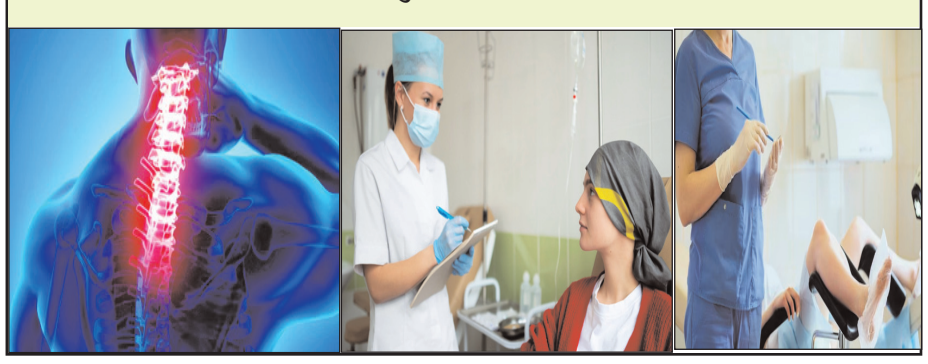

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai 400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
● Std. XI & XII (Sci.)
● NEET
● JEE (Main & Advance)
● MHT-CET
● Polytechnic & Engg
● Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

मादक पदार्थों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस (26 जून, 2026) पर विशेष

नशे से बर्बाद होते जीवन को बचाना होगा

-ललित गर्ग

नशीली दवाओं का बढ़ता प्रचलन आज विश्व मानवता के सामने एक ऐसे संकट के रूप में उभर रहा है, जो केवल स्वास्थ्य की समस्या नहीं है, बल्कि सामाजिक, आर्थिक, पारिवारिक और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा गंभीर वैश्विक प्रश्न बन चुका है। नशीली दवाओं का दुरुपयोग और अवैध तस्करी लाखों लोगों के जीवन को अंधकार में धकेल रही है। विशेष रूप से युवा पीढ़ी इसका सबसे बड़ा शिकार बन रही है। यही कारण है कि प्रतिवर्ष 26 जून को नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है, ताकि विश्व समुदाय इस चुनौती के प्रति जागरूक हो, सामूहिक प्रयासों को सशक्त बनाए और एक नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हो। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 7 दिसंबर 1987 को संकल्प संख्या 42/112 के माध्यम से इस दिवस को मनाने की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य मादक पदार्थों के दुरुपयोग से मुक्त अंतर्राष्ट्रीय समाज के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वैश्विक सहयोग और कार्रवाई को मजबूत करना है। इस दिवस के माध्यम से यह संदेश दिया जाता है कि नशीली दवाओं की समस्या का समाधान केवल दंडात्मक उपायों से नहीं, बल्कि जनजागृति, सामाजिक-पारिवारिक रोकथाम, उपचार, पुनर्वास और सामाजिक सहयोग से संभव है।

संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) ने वर्ष 2026 के लिए इस दिवस की थीम निर्धारित की है- ह्रविश्वव्यापी नशीली दवाओं की समस्याः स्थायी मुद्दे, नई चुनौतियां, अभिनव समाधानह्न। यह थीम इस तथ्य को रेखांकित करती है कि नशे की गिरफ्त में आए व्यक्ति को अपराधी नहीं, बल्कि सहायता और उपचार की आवश्यकता वाले व्यक्ति के रूप में देखा जाना चाहिए। समाज, परिवार, सरकार और स्वास्थ्य संस्थाओं के समन्वित प्रयास ही उसे पुनः सामान्य जीवन की ओर लौटा सकते हैं। विश्व मादक पदार्थ रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर नशीली दवाओं के उपयोग में निरंतर वृद्धि हो रही है। अनुमानतः विश्वभर में 30 करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी प्रकार के मादक पदार्थों का सेवन कर रहे हैं। इनमें से करोड़ों लोग नशे की लत के कारण गंभीर शारीरिक एवं मानसिक रोगों से पीड़ित हैं, लेकिन उपचार सुविधाओं तक उनकी पहुंच अत्यंत सीमित है। मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकारों से पीड़ित प्रत्येक आठ व्यक्तियों में से केवल एक को ही उपचार प्राप्त हो पाता है। यह स्थिति विश्व स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर चुनौती को उजागर करती है।

बीते कुछ दशकों में वैश्विक मादक पदार्थ बाजार का स्वरूप तेजी से बदला है। परंपरागत नशीले पदार्थों-अफीम, हेरोइन, गांजा, चरस और कोकीन के साथ-साथ अब सिंथेटिक ड्रग्स, फेंटानिल, मेथामफेटामाइन और विभिन्न रासायनिक नशीले पदार्थों का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। कृत्रिम नशीले पदार्थों के उत्पादन में कम लागत, तस्करी में कम जोखिम और अत्यधिक मुनाफे ने अवैध मादक पदार्थ उद्योग को और अधिक संगठित तथा खतरनाक बना दिया है। आज मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह आधुनिक तकनीक, डार्क वेब, क्रिप्टोकरेंसी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग कर नए उपभोक्ताओं, विशेषकर युवाओं और किशोरों, को अपना लक्ष्य बना रहे हैं। ऑनलाइन नेटवर्क और गुप्त डिजिटल लेन-देन ने नशीली दवाओं की उपलब्धता को पहले की अपेक्षा कहीं अधिक आसान बना दिया है। संगठित अपराध और मादक पदार्थों का यह गठजोड़ विश्व शांति और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन गया है। नशीली दवाओं का दुरुपयोग मानव शरीर की लगभग प्रत्येक प्रणाली को प्रभावित करता है। हृदय, यकृत, फेफड़े, मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र पर इसका विनाशकारी प्रभाव पड़ता है। दीर्घकालिक सेवन व्यक्ति को अवसाद, मानसिक असंतुलन, आत्महत्या की प्रवृत्ति, स्मृति ह्रास और व्यक्तित्व विघटन की ओर ले जाता है। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार अफीम, हेरोइन, स्मैक, कोकीन और सिंथेटिक ड्रग्स का निरंतर सेवन व्यक्ति को मानसिक रूप से अक्षम बना सकता है। नशे का दुष्प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। इसके कारण परिवार टूटते हैं, घरेलू हिंसा बढ़ती है, बेरोजगारी और आर्थिक संकट गहराते हैं तथा अपराध और सामाजिक असुरक्षा को बढ़ावा मिलता है। अनेक शोधों में यह तथ्य सामने आया है कि चोरी, हिंसा, तस्करी, यौन अपराध और संगठित अपराधों का एक बड़ा हिस्सा मादक पदार्थों से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़ा हुआ है।

भारत भी इस वैश्विक संकट से अछूता नहीं है। भौगोलिक स्थिति, सीमावर्ती चुनौतियां, बढ़ती शहरीकरण प्रक्रिया और युवाओं में बदलती जीवनशैली के कारण देश में नशीली दवाओं का दुरुपयोग चिंताजनक स्तर तक पहुंच चुका है। विशेष रूप से पंजाब, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, उत्तर-पूर्वी राज्यों तथा महानगरों में यह समस्या गंभीर रूप धारण कर चुकी है। भारत की पश्चिमी सीमा के निकट स्थित तथाकथित गोल्डन क्रिसेंट्ह-अफगानिस्तान, पाकिस्तान और ईरान विश्व के प्रमुख अफीम उत्पादक क्षेत्रों में शामिल हैं, जिसके कारण सीमावर्ती राज्यों में तस्करी की समस्या अधिक जटिल हो गई है। पंजाब लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी और नशे की समस्या से जूझ रहा है। सीमा पार से ड्रोन और अन्य माध्यमों से होने वाली तस्करी ने स्थिति को और चुनौतीपूर्ण बना दिया है। पाकिस्तान ने भारत में आतंकवाद की ही तरह नशे एवं ड्रग्स को व्यापक स्तर पर फैलाया है, जिसका उद्देश्य युवाओं को कमजोर और सामाजिक संरचना को क्षतिग्रस्त करना है। यह केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी प्रश्न है। जिसके दुष्परिणाम विशेषतः पंजाब के साथ-साथ समूचे देश को भोगने को विवश होना पड़ रहा है। पंजाब नशे की अंधी गलियों में धंसता जा रहा है, सीमा पार से शुरू किए गए इस छद्म युद्ध की कीमत पंजाब की जनता को चुकानी पड़ रही है, देर आये दुरस्त आये की भांति लगातार चुनौती बने नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के धंधे के खिलाफ आप सरकार ने एक महत्वाकांक्षी युद्ध एवं अभियान शुरू किया है। पंजाब देश में ड्रग्स से सर्वाधिक संलिप्त राज्यों में आता है। यह डाटा गतदिनों गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में ह्रमादक पदार्थों की तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षाह्न पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में सामने आया।

भारत सरकार ने नशे के विरुद्ध अनेक पहलें शुरू की हैं। ह्रनशा मुक्त भारत अभियानह्न देश के 272 से अधिक संवेदनशील जिलों में व्यापक जनजागरण, शिक्षा और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से तस्करी के नेटवर्क पर कार्रवाई की जा रही है। स्कूलों, कॉलेजों, पंचायतों और सामाजिक संगठनों की भागीदारी से भी नशे के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। फिर भी यह स्पष्ट है कि केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। परिवार, शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक-सामाजिक संगठनों, मीडिया और नागरिक समाज को भी इस अभियान का सक्रिय भागीदार बनना होगा। बच्चों और किशोरों में जीवन मूल्यों, आत्मविश्वास, नैतिक शिक्षा और तनाव प्रबंधन की संस्कृति विकसित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। खेल, योग, ध्यान, सांस्कृतिक गतिविधियों और सकारात्मक सामाजिक वातावरण युवाओं को नशे की ओर बढ़ने से रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। महान दार्शनिकों और आध्यात्मिक चिंतकों ने सदैव संयम को स्वस्थ जीवन का आधार माना है। भारतीय संस्कृति का मूल संदेश भी आत्मसंयम, जागरूकता और सदाचार पर आधारित रहा है। यदि समाज में आध्यात्मिक चेतना, नैतिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं को पुनर्जीवित किया जाए तो नशे जैसी अनेक सामाजिक बुराइयों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि नशे के शिकार व्यक्तियों के प्रति घृणा या बहिष्कार का दृष्टिकोण छोड़कर उन्हें सहानुभूति, उपचार और पुनर्वास के अवसर प्रदान किए जाएं। नशे की जंजीरों को तोड़ने के लिए सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, गैर-सरकारी संगठनों, परिवारों और समुदायों को एक साझा मोर्चा बनाना होगा। नशीली दवाओं के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि मानव जीवन अनमोल है और उसे नशे के अंधकार में खोने नहीं दिया जा सकता। यदि हम एक स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध भविष्य का निर्माण करना चाहते हैं, तो नशे के विरुद्ध संघर्ष को जनांदोलन का स्वरूप देना होगा। यही इस दिवस का मूल संदेश है और यही मानवता के उज्जवल भविष्य की अनिवार्य शर्त भी।

भारतीय महर्षि सुश्रुत को वैश्विक सम्मान

- महेन्द्र तिवारी

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ ऐसे व्यक्तित्व होते हैं जिनका योगदान समय, भूगोल और संस्कृति की सीमाओं को पार कर संपूर्ण मानवता की धरोहर बन जाता है। भारतीय चिकित्सा परंपरा के महान आचार्य महर्षि सुश्रुत ऐसे ही व्यक्तित्वों में शामिल हैं। चिकित्सा विज्ञान, विशेष रूप से शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में उनका योगदान इतना व्यापक और दूरदर्शी माना जाता है कि उन्हें विश्वभर में शल्य चिकित्सा का जनक कहा जाता है। लगभग 2600 वर्ष पूर्व उन्होंने जिस वैज्ञानिक दृष्टि, व्यावहारिक ज्ञान और चिकित्सा कौशल का परिचय दिया था, वह आज भी चिकित्सा इतिहास के विद्वानों और आधुनिक चिकित्सकों को प्रभावित करता है। इसी ऐतिहासिक महत्व को स्वीकार करते हुए जून 2026 में स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग स्थित रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स में उनकी कांस्य प्रतिमा का अनावरण किया गया। यह केवल एक प्रतिमा की स्थापना नहीं थी, बल्कि विश्व चिकित्सा इतिहास में भारत के योगदान की एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मान्यता थी।

एडिनबर्ग का यह प्रतिष्ठित संस्थान विश्व के सबसे पुराने और सम्मानित शल्य चिकित्सा संस्थानों में से एक माना जाता है। चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान, प्रशिक्षण और शल्य विज्ञान के विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। ऐसे संस्थान के परिसर में महर्षि सुश्रुत की प्रतिमा की स्थापना इस तथ्य का प्रमाण है कि आधुनिक चिकित्सा जगत अब विज्ञान और चिकित्सा के इतिहास को अधिक व्यापक दृष्टिकोण से देख रहा है तथा उन प्राचीन सभ्यताओं के योगदान को भी उचित सम्मान दे रहा है जिन्होंने मानव ज्ञान की उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस प्रतिमा की स्थापना में भारतीय मूल के प्रसिद्ध शल्य चिकित्सक प्रोफेसर चंद्र चेरुवु और उनके परिवार की विशेष भूमिका रही, जिनके प्रयासों से यह ऐतिहासिक सम्मान संभव हो सका।

महर्षि सुश्रुत का जीवन भारतीय ज्ञान परंपरा की वैज्ञानिक ऊंचाइयों का प्रतिनिधित्व करता है। माना जाता है कि वे लगभग 600 ईसा पूर्व के आसपास हुए थे। उस समय संसार के अनेक क्षेत्रों में चिकित्सा विज्ञान अभी प्रारंभिक अवस्था में था, जबकि भारत में शरीर रचना विज्ञान, रोग निदान, औषध विज्ञान और शल्य चिकित्सा जैसे विषयों पर व्यवस्थित अध्ययन किया जा रहा था। महर्षि सुश्रुत ने अपने अनुभव, अनुसंधान और अवलोकनों के आधार पर चिकित्सा ज्ञान को एक संगठित स्वरूप प्रदान किया। उनकी प्रसिद्ध कृति सुश्रुतसंहिता आज भी चिकित्सा इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण ग्रंथों में गिनी जाती है। यह केवल एक चिकित्सा ग्रंथ नहीं, बल्कि प्राचीन भारत की वैज्ञानिक चेतना, अनुसंधान पद्धति और व्यावहारिक चिकित्सा ज्ञान का विस्तृत दस्तावेज है।

सुश्रुतसंहिता में शल्य चिकित्सा के सिद्धांतों और प्रक्रियाओं का अत्यंत व्यवस्थित वर्णन मिलता है। इसमें विभिन्न रोगों के उपचार, घावों की देखभाल, हड्डियों के उपचार, शरीर की संरचना, शल्य उपकरणों तथा चिकित्सा नैतिकता के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई है। यह ग्रंथ इस बात का प्रमाण है कि उस समय चिकित्सा विज्ञान केवल अनुभव या परंपरा पर आधारित नहीं था, बल्कि उसमें वैज्ञानिक अवलोकन, वर्गीकरण और परीक्षण की स्पष्ट पद्धति मौजूद थी। ज्ञान को व्यवस्थित रूप से संकलित करना किसी भी विकसित वैज्ञानिक परंपरा की पहचान होती है और महर्षि सुश्रुत का कार्य इस कसौटी पर पूरी तरह खरा उतरता है।

महर्षि सुश्रुत की सबसे प्रसिद्ध उपलब्धियों में पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा का विकास शामिल है। विशेष रूप से नाक के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया का उनका वर्णन चिकित्सा इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। प्राचीन काल में विभिन्न अपराधों के दंडस्वरूप कभी-कभी नाक काट दी जाती थी। ऐसी स्थिति में चेहरे की संरचना को पुनः सामान्य रूप में लाना अत्यंत कठिन कार्य था। महर्षि सुश्रुत ने त्वचा प्रत्यारोपण और पुनर्निर्माण की जो तकनीक विकसित की, उसे आधुनिक प्लास्टिक सर्जरी की प्रारंभिक आधारशिला माना जाता है। यही कारण है कि उन्हें पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा का अग्रदूत भी कहा जाता है। आज जब चिकित्सा विज्ञान अत्याधुनिक उपकरणों और जटिल तकनीकों से सुसज्जित है, तब भी इतिहासकार इस बात को स्वीकार करते हैं कि पुनर्निर्माण शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में सुश्रुत की दूरदर्शिता अपने समय से बहुत आगे थी।

सुश्रुतसंहिता में लगभग 300 प्रकार की शल्य प्रक्रियाओं और 100 से अधिक शल्य उपकरणों का वर्णन मिलता है। इन उपकरणों का वर्गीकरण उनके उपयोग के आधार पर किया गया था। इनमें काटने, छेद करने, पकड़ने, निकालने और सिलाई करने वाले उपकरण शामिल थे। यह वर्गीकरण दर्शाता है कि उस समय शल्य चिकित्सा अत्यंत संगठित और तकनीकी रूप से विकसित थी। आधुनिक शल्य चिकित्सा में जिन सिद्धांतों को वैज्ञानिक आधार माना जाता है, उनके प्रारंभिक स्वरूप का उल्लेख सुश्रुतसंहिता में देखा जा सकता है।

महर्षि सुश्रुत केवल शल्य चिकित्सक ही नहीं थे, बल्कि एक उत्कृष्ट शिक्षक भी थे। उन्होंने चिकित्सा शिक्षा में व्यावहारिक प्रशिक्षण को अत्यधिक महत्व दिया। उनके अनुसार किसी विद्यार्थी को वास्तविक रोगी पर शल्य क्रिया करने से पहले विभिन्न वस्तुओं और मृत जीवों पर अभ्यास करना चाहिए ताकि वह आवश्यक कौशल विकसित कर सके। यह दृष्टिकोण आधुनिक चिकित्सा शिक्षा की मूल अवधारणा से मेल खाता है, जहां सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण को अनिवार्य माना जाता है। इस तथ्य से स्पष्ट होता है कि महर्षि सुश्रुत केवल चिकित्सक नहीं थे, बल्कि चिकित्सा शिक्षा के भी महान विचारक थे।

शरीर रचना विज्ञान के क्षेत्र में उनका योगदान भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने मानव शरीर को समझने के लिए प्रत्यक्ष अध्ययन और निरीक्षण पर बल दिया। उनका मानना था कि किसी भी वैज्ञानिक निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए प्रत्यक्ष अवलोकन आवश्यक है। यह दृष्टिकोण आधुनिक वैज्ञानिक पद्धति के मूल सिद्धांतों से मेल खाता है। उनके विचारों में तर्क, परीक्षण और अनुभव का विशेष महत्व दिखाई देता है। यही कारण है कि अनेक इतिहासकार उन्हें प्राचीन भारत के महान वैज्ञानिकों में शामिल करते हैं।

महर्षि सुश्रुत चिकित्सा नैतिकता के भी प्रबल समर्थक थे। उन्होंने चिकित्सकों के लिए उच्च नैतिक मानदंड निर्धारित किए। उनके अनुसार रोगी का हित सर्वोपरि होना चाहिए। चिकित्सक को विद्वान, संवेदनशील, ईमानदार और अनुशासित होना चाहिए। रोगी के प्रति करुणा और सेवा भाव को उन्होंने चिकित्सा का आधार माना। आज चिकित्सा नैतिकता आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, किंतु यह जानकर आश्चर्य होता है कि इन सिद्धांतों का उल्लेख हजारों वर्ष पूर्व भारतीय चिकित्सा ग्रंथों में किया जा चुका था।

एडिनबर्ग में स्थापित उनकी प्रतिमा का महत्व केवल ऐतिहासिक नहीं बल्कि सांस्कृतिक और बौद्धिक भी है। लंबे समय तक विज्ञान और चिकित्सा के इतिहास को मुख्यतः यूरोपीय उपलब्धियों के संदर्भ में प्रस्तुत किया जाता रहा। किंतु आधुनिक शोध और ऐतिहासिक अध्ययनों ने यह स्पष्ट किया है कि विज्ञान के विकास में भारत, चीन, मिस्र और मेसोपोटामिया जैसी प्राचीन सभ्यताओं का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। महर्षि सुश्रुत की प्रतिमा इसी व्यापक ऐतिहासिक सत्य की स्वीकारोक्ति है। यह संदेश देती है कि ज्ञान किसी एक राष्ट्र, संस्कृति या सभ्यता की संपत्ति नहीं होता, बल्कि यह मानवता की साझा विरासत है।

यह सम्मान भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति बढ़ती वैश्विक रुचि का भी संकेत है। आज विश्वभर के विश्वविद्यालय और अनुसंधान संस्थान प्राचीन भारतीय ग्रंथों का अध्ययन कर रहे हैं। गणित, खगोल विज्ञान, धातु विज्ञान, दर्शन और चिकित्सा जैसे क्षेत्रों में भारत की ऐतिहासिक उपलब्धियों को नए दृष्टिकोण से समझने का प्रयास किया जा रहा है। महर्षि सुश्रुत की प्रतिमा इसी बदलती वैश्विक सोच का प्रतीक है, जिसमें प्राचीन ज्ञान को आधुनिक विज्ञान के इतिहास के महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में स्वीकार किया जा रहा है।

भारत के लिए यह अवसर विशेष गर्व का विषय है। यह केवल एक महान ऋषि का सम्मान नहीं बल्कि भारतीय वैज्ञानिक और बौद्धिक परंपरा की अंतरराष्ट्रीय मान्यता भी है। इससे भारतीय युवाओं, शोधकर्ताओं और चिकित्सा विद्यार्थियों को प्रेरणा मिलती है कि ज्ञान और अनुसंधान की परंपरा इस देश में अत्यंत प्राचीन और समृद्ध रही है। यह सम्मान हमें अपने प्राचीन ग्रंथों, वैज्ञानिक विरासत और बौद्धिक इतिहास के गंभीर अध्ययन के लिए भी प्रेरित करता है।

महर्षि सुश्रुत की विरासत आज भी उतनी ही प्रासंगिक है जितनी उनके समय में थी। चिकित्सा विज्ञान निरंतर विकसित हो रहा है, नई तकनीकें विकसित हो रही हैं और उपचार के नए साधन सामने आ रहे हैं, किंतु चिकित्सा का मूल उद्देश्य आज भी वही है जो हजारों वर्ष पहले था, अर्थात मानव पीड़ा को कम करना और जीवन की रक्षा करना। महर्षि सुश्रुत का जीवन और कार्य इसी आदर्श के प्रति समर्पण का उदाहरण है। उन्होंने चिकित्सा को केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि मानव सेवा का माध्यम माना।

जून 2026 में एडिनबर्ग में स्थापित उनकी कांस्य प्रतिमा केवल धातु की एक कलाकृति नहीं है। वह उस वैज्ञानिक चेतना, मानवीय संवेदना और ज्ञान परंपरा का प्रतीक है जिसने प्राचीन भारत को चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में विशिष्ट स्थान दिलाया। यह प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को स्मरण कराती रहेगी कि मानव सभ्यता की प्रगति अनेक संस्कृतियों और ज्ञान परंपराओं के संयुक्त योगदान का परिणाम है। महर्षि सुश्रुत का सम्मान वास्तव में उस सार्वभौमिक ज्ञान का सम्मान है जिसने समय, भाषा और सीमाओं को पार करते हुए मानवता की सेवा की है। एडिनबर्ग में उनका सम्मान इस सत्य की सशक्त घोषणा है कि चिकित्सा विज्ञान का इतिहास बहुआयामी है और उसमें भारत का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण, प्रेरणादायक तथा सदैव स्मरणीय रहेगा।

बड़े चेहरों-जातीय संतुलन से सजी यूपी बीजेपी की नई टीम

-संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश भाजपा की नई टीम में जातीय और क्षेत्रीय संतुलन साधने की कोशिश साफ दिख रही है। पार्टी ने जिस तरह ब्राह्मण, पिछड़ा, दलित और अलग-अलग इलाकों से जुड़े चेहरों को जगह दी है, उससे यह संदेश दिया जा रहा है कि संगठन केवल एक वर्ग या एक क्षेत्र के सहारे नहीं चलेगा, बल्कि हर बड़े सामाजिक समूह को साथ लेकर आगे बढ़ने की रणनीति बनाई जा रही है। पार्टी के भीतर यह चर्चा भी तेज है कि नई टीम के गठन में प्रदेश अध्यक्ष से ज्यादा राष्ट्रीय नेतृत्व के भरोसेमंद रणनीतिकार सुनील बंसल की छाप नजर आती है। यही वजह है कि इसे सिर्फ संगठनात्मक फेरबदल नहीं, बल्कि आने वाले विधानसभा चुनाव की जमीन तैयार करने की कवायद भी माना जा रहा है।

भाजपा जानती है कि उत्तर प्रदेश में जीत सिर्फ नारे से नहीं, बल्कि जातीय समीकरण, क्षेत्रीय संतुलन और बूथ स्तर की पकड़ से तय होती है।जनसाधारण के नजरिये से देखें तो पार्टी ने ब्राह्मणों की नाराजगी को भी गंभीरता से लेने की कोशिश की है। नई टीम में इस वर्ग को अपेक्षाकृत अच्छी जगह देकर भाजपा यह संदेश देना चाहती है कि वह किसी एक सामाजिक आधार को कमजोर नहीं होने देगी। इससे यह भी माना जा रहा है कि पार्टी पुराने भरोसेमंद मतदाताओं को फिर से जोड़ने की दिशा में काम कर रही है, क्योंकि चुनाव के समय संगठन का यह संतुलन बहुत मायने रखता है।सूत्रों और राजनीतिक चचाओं में यह बात भी उठ रही है कि सुनील बंसल की भूमिका अब भी उतनी ही अहम है, जितनी पहले थी। वे उत्तर प्रदेश की राजनीतिक नब्ज को गहराई से समझते हैं और 2017 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को सत्ता तक पहुंचाने में उनकी रणनीति की बड़ी भूमिका मानी गई थी। इसीलिए नई टीम को देखकर बहुत से लोग इसे उसी पुराने संगठनात्मक मॉडल की वापसी के रूप में देख रहे हैं, जिसमें नीचे तक पकड़, सामाजिक गणित और लगातार संवाद सबसे महत्वपूर्ण होते हैं।

इसी संदर्भ में संदीप बंसल का नाम भी चर्चा में आ रहा है। राजनीतिक समझ रखने वाले लोग मान रहे हैं कि आने वाले चुनाव में वे भी प्रदेश की राजनीति में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। इसका कारण यह है कि भाजपा अब ऐसे चेहरों को आगे बढ़ाने की तैयारी में दिख रही है जो संगठन, वर्ग-संतुलन और चुनावी प्रबंधन तीनों में काम आ सकें। यदि यह प्रवृत्ति आगे बढ़ी, तो संदीप बंसल जैसे नेताओं की उपयोगिता और बढ़ सकती है।नई टीम की सबसे बड़ी खासियत यही मानी जा रही है कि उसमें केवल चेहरों का नहीं, बल्कि संदेशों का भी संतुलन साधा गया है। एक तरफ पार्टी यह दिखाना चाहती है कि वह सभी बड़े समाजों को साथ लेकर चल रही है, दूसरी तरफ यह भरोसा भी देना चाहती है कि चुनावी प्रबंधन पहले की तरह मजबूत हाथों में है। जनता के बीच भी यही धारणा बनती है कि भाजपा संगठन को हल्के में नहीं लेती और हर बड़े चुनाव से पहले अपनी व्यवस्था को फिर से कसती है। खैर, उत्तर प्रदेश भाजपा की नई टीम में जातीय और क्षेत्रीय संतुलन को खास तौर पर साधने की कोशिश दिखाई दी है। पार्टी ने 19 प्रदेश उपाध्यक्ष, 8 प्रदेश महामंत्री और 19 प्रदेश मंत्रियों के साथ पूरी कार्यकारिणी को नए सिरे से सजा दिया है, जिसमें ब्राह्मण, पिछड़ा, दलित, पूर्वांचल, पश्चिमी यूपी और अवध-कानपुर जैसे क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व ध्यान से रखा गया है. प्रदेश उपाध्यक्षों की सूची में सुरेश राणा, सत्यपाल सैनी, ब्रज बहादुर सिंह, डॉ. धर्मेंद्र सिंह, मोहित बेनीवाल, देवेश कोरी, प्रियंका रावत, दुर्विजय शाक्य, रमेश सिंह, नीरज सिंह, अर्चना मिश्रा, पूजा पाल, शंकर गिरी, कामेश्वर सिंह, डॉ. कृतिका अग्रवाल, सुरेश मौर्य, राजेश यादव, कृष्ण बिहारी राय और आलोक गुप्ता को जिम्मेदारी दी गई है. इनमें सुरेश राणा, सत्यपाल सैनी, ब्रज बहादुर सिंह, डॉ. धर्मेंद्र सिंह, मोहित बेनीवाल, देवेश कोरी, प्रियंका रावत, दुर्विजय शाक्य, रमेश सिंह, नीरज सिंह, अर्चना मिश्रा, पूजा पाल, शंकर गिरी, कामेश्वर सिंह, डॉ. कृतिका अग्रवाल, सुरेश मौर्य, राजेश यादव, कृष्ण बिहारी राय और आलोक गुप्ता जैसे नाम अलग-अलग सामाजिक और क्षेत्रीय पृष्ठभूमि का संदेश देते हैं.

प्रदेश महामंत्रियों में रामप्रताप सिंह चौहान, गीता शाक्य, अभिजात मिश्रा, उपेंद्र रावत, संजय राय, शंकर लोधी, दिलीप पटेल और राजेश चौधरी को जगह मिली है. इन नामों के जरिए पार्टी ने ओबीसी, दलित, ब्राह्मण और क्षेत्रीय संतुलन को साधने की कोशिश की है. यह भी संकेत मिलता है कि संगठन में केवल पुराने चेहरों पर भरोसा नहीं किया गया, बल्कि चुनावी प्रबंधन में काम आ सकने वाले मिश्रित नेतृत्व को प्राथमिकता दी गई है.

प्रदेश मंत्रियों की सूची भी इसी सामाजिक गणित को आगे बढ़ाती है, जो नाम प्रमुखता से सामने आए हैं, उनमें शंकर गिरी, डॉ. चंद्रमोहन सिंह, मीना चौबे, अंजुला सिंह माहौर, विजय शिवहरे, शंकर लोधी, शकुंतला चौहान, अनामिका चौधरी, पूनम बजाज, अर्चना मिश्रा, अमित बाल्मीकि, बसंत त्यागी, शिवभूषण सिंह, सुरेश पासी, अभिजात मिश्रा और डीपी भारती शामिल हैं. इन नियुक्तियों से पार्टी ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि संगठन में हर बड़े सामाजिक वर्ग को हिस्सेदारी दी जा रही है. क्षेत्रीय अध्यक्षों की घोषणा भी इस फेरबदल का अहम हिस्सा रही।

कुल मिलाकर यह नई टीम केवल पदों का बंटवारा नहीं, बल्कि 2027 विधानसभा चुनाव की जमीन तैयार करने वाला संगठनात्मक ढांचा मानी जा रही है. पार्टी ने सामाजिक समीकरण, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और चुनावी प्रबंधन तीनों को एक साथ साधने की कोशिश की है.जाति के हिसाब से देखें तो इस सूची में ब्राह्मण, क्षत्रिय, यादव, शाक्य, लोधी, सैनी, पासी, बाल्मीकि, शाक्य, मौर्य, रावत, कोरी, चौहान, जाटव और अन्य पिछड़े-दलित समुदायों की मौजूदगी साफ दिखती है. यही वजह है कि इसे महज संगठनात्मक बदलाव नहीं, बल्कि राजनीतिक संदेश वाली टीम माना जा रहा है.

बहरहाल, ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में भाजपा के सामने अलग-अलग चुनौतियां हैं। शहरों में विकास, रोजगार और प्रशासनिक छवि मुद्दा बनते हैं, जबकि गांवों में जातीय तालमेल, स्थानीय नेतृत्व और कार्यकताओं की सक्रियता निर्णायक होती है। नई टीम का गठन इन्हीं दोनों स्तरों पर एक साथ असर डालने की कोशिश लगता है। इसलिए इसमें ऐसे चेहरों को महत्व दिया गया है जो अपने-अपने इलाकों में पकड़ रखते हों और समाज के अलग-अलग हिस्सों को साध सकें।जनमानस में यह भी देखा जाता है कि भाजपा जब किसी नामचीन रणनीतिकार की छाप वाली टीम बनाती है, तो उसका मतलब केवल पदों का बंटवारा नहीं होता, बल्कि आने वाले चुनाव की रूपरेखा भी साथ-साथ बनती है। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में यह फामूर्ला कई बार कारगर रहा है। यहाँ संगठन की मजबूती, जातीय गणित और नेतृत्व का भरोसा, तीनों मिलकर चुनावी नतीजों को प्रभावित करते हैं। इसीलिए नई टीम को लेकर उम्मीद और चर्चा, दोनों एक साथ चल रही हैं। लब्बोलुआब यह है कि भाजपा की नई प्रदेश टीम को जनता इस नजर से देख रही है कि क्या यह टीम वास्तव में सभी वर्गों को साथ लेकर चलेगी, क्या ब्राह्मणों और अन्य नाराज तबकों का भरोसा वापस जीत पाएगी, और क्या सुनील बंसल की रणनीतिक छाप एक बार फिर पार्टी को लाभ दिला सकेगी। अभी इतना साफ है कि पार्टी ने संदेश बहुत सोच-समझकर दिया है और आने वाले महीनों में इसी टीम की परीक्षा जमीन पर होगी।

प्रतिभा पलायन नही प्रतिभा आमंत्रण का देश बनाना होगा

संजीव ठाकुर

भारत की युवा प्रतिभाएँ देश को विश्व की अग्रिम पंक्ति में खड़ा करने का प्रयास करें। भारत सदियों से ज्ञान, शिक्षा और अनुसंधान का वैश्विक केंद्र रहा है। नालंदा, तक्षशिला, विक्रमशिला और पाटलिपुत्र जैसे विश्वविद्यालयों में विश्व के विभिन्न देशों से विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त करने आते थे। भारतीय ज्ञान परंपरा ने विश्व को दिशा दी है। किंतु विडंबना यह है कि आज भारत के लाखों प्रतिभाशाली छात्र और युवा उच्च शिक्षा तथा रोजगार के लिए विदेशों का रुख कर रहे हैं। यह प्रवृत्ति ₹ब्रेन ड्रेन₹ अथवा प्रतिभा पलायन के रूप में देश के समक्ष एक गंभीर चुनौती बनकर उभरी है।

भारत सरकार और समाज दोनों ही शिक्षा पर भारी निवेश करते हैं। विशेष रूप से आईआईटी, आईआईएम, एम्स, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान तथा अन्य प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों की शिक्षा पर प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से करोड़ों रुपये व्यय किए जाते हैं। किंतु जब यही प्रतिभाएँ उच्च वेतन, बेहतर जीवनशैली और वैश्विक अवसरों के आकर्षण में विदेशों में स्थायी रूप से बस जाती हैं, तब उनके ज्ञान और कौशल का लाभ भारत के बजाय विदेशी अर्थव्यवस्थाओं को प्राप्त होता है। पिछले एक दशक में विदेश जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2024 में ही लगभग 7.6 लाख भारतीय छात्र उच्च शिक्षा के लिए विदेश गए। अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर भारतीय छात्रों के प्रमुख गंतव्य बने हुए हैं।

यदि भारतीय प्रवासी समुदाय की बात करें तो आज लगभग 1.85 से 1.90 करोड़ भारतीय मूल के लोग विभिन्न देशों में रह रहे हैं। इनमें सर्वाधिक संख्या संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और सऊदी अरब में कार्यरत भारतीयों की है।

प्रतिभा पलायन का एक पक्ष चिंताजनक अवश्य है, किंतु इसका दूसरा पक्ष यह भी है कि विदेशों में कार्यरत भारतीय अपने परिश्रम से भारत की अर्थव्यवस्था को भी सुदृढ़ बना रहे हैं। वर्ष 2024 में भारतीय प्रवासियों ने भारत को लगभग 137 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 11 लाख करोड़ रुपये से अधिक) की विदेशी मुद्रा प्रेषित की, जिससे भारत विश्व का सबसे बड़ा रेमिटेंस प्राप्त करने वाला देश बना।

फिर भी प्रश्न यह है कि यदि यही प्रतिभाएँ भारत में रहकर अनुसंधान, नवाचार, उद्योग, चिकित्सा, प्रौद्योगिकी और उद्यमिता के क्षेत्र में योगदान दें, तो देश की प्रगति कहीं अधिक तीव्र हो सकती है। भारत को केवल विदेशी मुद्रा नहीं, बल्कि ज्ञान, अनुसंधान, पेटेंट, उद्योग और रोजगार सृजन की भी आवश्यकता है। भारत सरकार ने देश को पुनः वैश्विक शिक्षा केंद्र बनाने की दिशा में अनेक पहलें की हैं। ₹स्टडी इन इंडियार₹ कार्यक्रम तथा आसियान देशों के विद्यार्थियों के लिए एक हजार पीएच.डी. फैलोशिप की योजना इसी उद्देश्य से प्रारंभ की गई थी, ताकि विदेशी छात्र भारत में आकर उच्च शिक्षा प्राप्त करें।

इसके अतिरिक्त ₹प्रोजेक्ट डेस्टिनेशन इंडियार₹ के माध्यम से विदेशी छात्रों के प्रवेश, वीजा और अध्ययन संबंधी प्रक्रियाओं को सरल बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उद्देश्य यह है कि भारत केवल छात्रों को विदेश भेजने वाला देश न रहकर, विश्वभर के विद्यार्थियों को आकर्षित करने वाला शिक्षा केंद्र बने। हालाँकि अभी भी अनेक चुनौतियाँ मौजूद हैं। विदेशी छात्र भारत में प्रदूषण, अत्यधिक गर्मी, लंबी प्रशासनिक प्रक्रियाओं तथा भारतीय डिग्रियों की सीमित वैश्विक मान्यता जैसी समस्याओं का उल्लेख करते हैं। दूसरी ओर भारतीय अभिभावकों के मन में यह धारणा बनी हुई है कि विदेश की डिग्री अधिक प्रतिष्ठित है। यही कारण है कि भारत में अपेक्षाकृत कम लागत पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध होने के बावजूद बड़ी संख्या में छात्र विदेश जाना पसंद करते हैं।

भारत के लिए आवश्यक है कि विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता, अनुसंधान सुविधाएँ, उद्योगों से जुड़ाव तथा रोजगारोन्मुखी शिक्षा को और अधिक मजबूत बनाया जाए। शिक्षा ऐसी हो जो विद्यार्थियों को केवल डिग्री न दे, बल्कि नवाचार, उद्यमिता और रोजगार के अवसर भी प्रदान करे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देश से बाहर होने वाले महंगे ₹डेस्टिनेशन वेडिंग₹ आयोजनों पर चिंता व्यक्त करते हुए वेड इन इंडियार₹ अभियान का आह्वान किया है। उनका सुझाव है कि भारतीय परिवार विवाह जैसे बड़े आयोजनों को विदेशों के बजाय भारत में ही संपन्न करें, जिससे देश का धन देश में रहे, पर्यटन को बढ़ावा मिले और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित हों।

जिस प्रकार वेड इन इंडिया की अवधारणा देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने का प्रयास है, उसी प्रकार ₹स्टडी इन ईंडियार₹ और ₹ वर्क इन इंडिया को भी राष्ट्रीय आंदोलन का रूप देने की आवश्यकता है। देश की प्रतिभाएँ यदि देश में ही अवसर प्राप्त करें और अपने ज्ञान का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करें, तो भारत को विकसित राष्ट्र बनने से कोई नहीं रोक सकता।

प्रतिभा पलायन को रोकने का सबसे प्रभावी उपाय प्रतिबंध नहीं, बल्कि ऐसे अवसरों का निर्माण है जहाँ भारतीय युवाओं को अपने ही देश में विश्वस्तरीय शिक्षा, सम्मानजनक रोजगार, अनुसंधान की सुविधाएँ और बेहतर जीवन-स्तर उपलब्ध हो। जब भारत अवसरों की भूमि बनेगा, तब प्रतिभाएँ स्वयं लौटकर आएँगी और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाएँगी।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम ₹ब्रेन ड्रेन₹ को ₹ब्रेन गेनर₹ में परिवर्तित करें। देश की प्रतिभाएँ देश के ही काम आएँ, यही आत्मनिर्भर और विकसित भारत की आधारशिला है।

भिवंडी मनपा के इतिहास में पहली बार 9वीं-10वीं के विद्यार्थियों को मुफ्त पाठ्यपुस्तकों का किया गया वितरण

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा ने अपने इतिहास में पहली बार माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा 9वीं और 10वीं के विद्यार्थियों को मुफ्त पाठ्यपुस्तकों का वितरण कर एक महत्वपूर्ण छात्रहितैषी पहल की है। इस योजना से मनपा स्कूलों में अध्ययनरत लगभग 2,815 विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। मनपा महासभा में हुई चर्चा के बाद शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने, विद्यार्थियों की शैक्षणिक नींव को मजबूत करने तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को आवश्यक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया। इसके लिए डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम योजना के अंतर्गत विशेष निधि का प्रावधान किया गया था। महापौर नारायण रतन चौधरी, उपमहापौर तारीक अब्दुल बारी मोमिन तथा आयुक्त अनमोल सागर के मार्गदर्शन में यह पहल लागू की गई। विद्यार्थियों को वितरित की गई सभी पुस्तकें महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्माण एवं पाठ्यक्रम अनुसंधान मंडल (बालभारती) से शासकीय भंडार गृह के माध्यम से सीधे खरीदी गई हैं। पुस्तक वितरण कार्यक्रम के दौरान महापौर नारायण रतन चौधरी ने कहा कि विद्यार्थी ही शहर और देश का भविष्य हैं तथा उनकी शिक्षा के लिए मनपा हर संभव सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में किसी प्रकार की कमी महसूस नहीं होने दी जाएगी।उपमहापौर तारीक अब्दुल बारी मोमिन ने विद्यार्थियों से कहा कि यदि स्कूलों से संबंधित कोई समस्या हो तो वे सीधे महापौर, उपमहापौर अथवा आयुक्त से संपर्क कर सकते हैं। उचित और न्यायसंगत मांगों का त्वरित समाधान किया जाएगा। आयुक्त अनमोल सागर ने कहा कि विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों को भी आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पद्धति से जोड़ने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा देने और विद्यार्थियों से उत्कृष्ट प्रदर्शन कर इस पहल को सफल बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके, उपायुक्त (शिक्षण) बालकृष्ण क्षीरसागर, सहायक आयुक्त (शिक्षण) नितिन पाटिल, प्रशासन अधिकारी सौदागर शिखरे सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

प्रजापति समाज विकास मंडल द्वारा विद्यार्थियों को मुफ्त शिक्षण सामग्री का वितरण 28 को

मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्रजापति समाज विकास मंडल रजि. राष्ट्रीय सामाजिक संस्था एनजीओ. पनवेल, नवी मुंबई द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 10वीं तक के मेधावी एवं जरूरतमंद छात्रों को मुफ्त नोटबुक, शिक्षण सामग्री, शिक्षा किट का वितरण रविवार 28 जून को प्रियांश भेलपुरी सेंटर, नियर पटेल हॉस्पिटल, तालाब के सामने पनवेल, नवी मुंबई में सुबह 11:30 बजे किया जाएगा। यह उपक्रम पिछले 22 वर्षों से लगातार चल रहा है। आइए हम सभी मिलकर शिक्षा के इस अभियान को सफल बनाएं और समाज के बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करें। संस्था समाज के बंधुओं से अनुरोध करती है कि विद्यार्थियों /बच्चों को साथ में लेकर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इसका लाभ उठाएं और कार्यक्रम को सफल बनाएं। अधिक जानकारी के लिए मो. नंबर- 9869454252 संपर्क किया जा सकता है।

वंदना चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा छात्र सम्मान एवं गुणगौरव समारोह संपन्न

रमेश प्रजापति/मुंबई (उत्तरशक्ति)। वंदना चैरिटेबल फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष एवं आयोजक गणेश घोसाळकर के नेतृत्व में दिनांक 21 जून 2026 को कक्षा 10वीं एवं 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में विद्यार्थी गुणगौरव एवं सत्कार समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। समारोह में मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई तथा शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथियों के रूप में शिवसेना विभाग प्रमुख श्रीराम यादव, श्रीमती कस्तुरी रोहेकर, सूर्यकांत कुंभार, महादेव कुंचीकोरवे, सुरज पांडे, संदीप कांबळे, सचिन गोडांबे, हरीश नलावडे एवं श्रीमती मीरा यादव उपस्थित रहे। उपस्थित मान्यवरों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें शिक्षा, अनुशासन और सामाजिक मूल्यों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाओं के साथ उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ।

एअर इंडिया ने शुरू कीं ईजी कनेक्ट फ़्लाइट्स – हर भारतीय को लाई दुनिया के और करीब

मुंबई/पटना। एअर इंडिया ने आज भारत सरकार के नए हब-एंड-स्पोक फ्रेमवर्क के तहत अपनी पहली ईजी कनेक्ट फ़्लाइट के लॉन्च के साथ भारतीय विमानन उद्योग में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इस बदलावकारी मॉडल का उद्देश्य भारत को दुनिया से और दुनिया को भारत से जोड़ना है।ईजी कनेक्ट सर्विस के तहत पहली फ़्लाइट एआई 1111 आज सुबह 9:23 बजे वाराणसी से रवाना हुई। इस फ़्लाइट में ऐसे इंटरनेशनल यात्री सवार थे जो दिल्ली से आगे भारत के बाहर 9 गंतव्यों - जैसे दुबई, कोलंबो, जेद्दा, रियाद, काठमांडू और फुकेत - के लिए कनेक्टिंग फ़्लाइट लेने वाले थे। भारत सरकार के माननीय नागरिक उड्डयन मंत्री, श्री किंजरापु राम मोहन नायडू ने वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री इंटरनेशनल एयरपोर्ट से पहली ईजी कनेक्ट फ़्लाइट का उद्घाटन किया।

पालघर जिले में 28 जून को चलाया जायेगा पल्स पोलियो अभियान

1.56 लाख से अधिक बच्चों को पिलाई जायेगी पोलियो की खुराक

पालघर(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान के तहत पालघर जिले में रविवार 28 जून 2026 को विशेष पोलियो टीकाकरण अभियान चलाया जायेगा। इस अभियान के अंतर्गत जिले के शून्य से पांच वर्ष आयु वर्ग के 1 लाख 56 हजार 283 बच्चों को पोलियो रोधी दवा की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

पोलियो मुक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य से चलाए जा रहे इस अभियान के लिए स्वास्थ्य विभाग ने व्यापक तैयारी की है। जिलेभर में 2,238 पोलियो बूथ स्थापित किए जायेंगे, जहां सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक बच्चों को पोलियो की दो बूंदें पिलाई जायेंगी। अभियान के सफल संचालन के लिए 4,918 स्वास्थ्य कर्मचारी, नर्स, आंगनवाड़ी सेविकाएं, आशा कार्यकर्ता और स्वयंसेवकों की नियुक्ति की गई है। इसके अलावा निगरानी और समन्वय के लिए 437 पर्यवेक्षक तैनात किये गये हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के उपकेंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, ग्रामीण अस्पतालों, सरकारी अस्पतालों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर भी पोलियो टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध रहेगी। अभियान के दिन किसी कारणवश टीकाकरण से वंचित रह जाने वाले बच्चों के लिए 28 से 30 जून तक विशेष घर-घर संपर्क अभियान चलाया जायेगा। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीमें घरों में जाकर पात्र बच्चों को पोलियो की खुराक देंगी।

अभियान की तैयारियों को लेकर 16 जून को जिला जिलाधिकारी कार्यालय में जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड़ की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी, जिला शल्य चिकित्सक डॉ. रामदास मराड, अतिरिक्त जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शशिकांत सालुंखे, जिला माता एवं बाल संगोपन अधिकारी डॉ. वेदेही मालवी तथा सभी तहसील स्वास्थ्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड़ ने निर्देश दिए कि शून्य से पांच वर्ष आयु वर्ग का कोई भी बच्चा पोलियो टीकाकरण से वंचित न रहे। उन्होंने प्रत्येक केंद्र पर समय से पहले वैक्सीन उपलब्ध कराने और सूक्ष्म स्तर पर योजना बनाने पर विशेष जोर दिया। वहीं जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा विभाग तथा स्थानीय प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए हैं। जिला परिषद के स्वास्थ्य विभाग ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों को नजदीकी पोलियो बूथ पर ले जाकर ‘पोलियो की दो बूंद झ जीवनभर की सुरक्षा’ अभियान में सहभागी बनें। विभाग ने कहा कि पोलियो उन्मूलन के लिए प्रत्येक बच्चे तक टीकाकरण पहुंचाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

रिया सिंह ने MH NURSING CET 2026 में 98.85 प्रतिशत अंक प्राप्त कर बढ़ाया मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। देशभर में बेटियां शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने परिवार, क्षेत्र और प्रदेश का नाम रोशन कर रही हैं। इसी क्रम में विक्रोली के सूर्यानगर निवासी शैलेंद्र सिंह की सुपुत्री रिया सिंह ने MH NURSING CET 2026 परीक्षा में 98.85 प्रतिशत अंक प्राप्त कर महाराष्ट्र टॉप कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। रिया की इस शानदार उपलब्धि से परिवार, मित्रों एवं क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। रिया ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर यह सफलता प्राप्त कर अपने माता-पिता के साथ-साथ पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। रिया की सफलता पर शिवसेना के विधायक सुनील राउत ने उन्हें सम्मानित कर उत्साहवर्धन किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इसी कड़ी में एड भीम अन्ना,इरफान शेख ने भी सम्मानित कर उत्साह बढ़ाया। क्षेत्र के गणमान्य लोगों, शुभचिंतकों एवं मित्रों ने रिया सिंह को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य, निरंतर प्रगति एवं सफलता की मंगलकामनाएं व्यक्त की हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के 12 वर्ष पूर्ण होने पर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल नेतृत्व के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विधायक स्नेहा दुबे-पंडित के मार्गदर्शन तथा वार्ड क्रमांक 23 की कॉर्पोरेटर श्रीमती निम्मी निपुण दोशी की पहल पर एक विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर आरोग्यम हॉस्पिटल के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर में डॉ. आदेश मिश्रा, डॉ. दिलीप गुप्ता, सचिन राठौड़, सार्थक एवं नर्स अंकिता सहित विशेषज्ञ चिकित्सकों और मेडिकल टीम ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। इस दौरान नागरिकों के ब्लड टेस्ट, ईसीजी, ब्लड प्रेशर (बीपी), कोलेस्ट्रॉल सहित विभिन्न आवश्यक स्वास्थ्य जांचें की गईं तथा स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी दिया गया। शिविर का लाभ क्षेत्र के लगभग 100 से 150 लोगों ने उठाया। लोगों ने इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए उपयोगी बताया।कार्यक्रम में जिला महामंत्री बिजेंद्र कुमार, कॉर्पोरेटर श्रीमती अपर्णा पाटिल, कॉर्पोरेटर प्रदीप पवार, पूर्व कॉर्पोरेटर छोटू आनंद, मैथ्यू कोलासो, मयंक शेठ, शांतेश मारब, शामल अजिगिया, कल्पेश पांडे, हरीश बेदी, विकास इंदोदिया, सुरेश प्रजापति, लालजी कनौजिया, कल्पेश चव्हाण, श्रीमती रोमा शर्मा, श्रीमती कंचन सोनी, श्रीमती जयश्री खोडानी, श्रीमती मनीषा गोरसिया, सुरेश हेगड़े, दुर्लभ पढीयार, प्रज्वल सालियान, राजू प्रजापति सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। निपुण दोशी, तीर्थ दोशी और सैम पटेल ने शिविर के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी योजनाबद्ध कार्यशैली और प्रभावी प्रबंधन के कारण कार्यक्रम सुचारु रूप से संपन्न हुआ। कॉर्पोरेटर श्रीमती निम्मी निपुण दोशी ने कहा कि जनसेवा और समाजहित की भावना के साथ भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि नागरिकों को स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं का लाभ मिल सके।

पत्रकारों को धमकी देने के आरोप पर भिवंडी में पत्रकारों ने सांसद संजय दीना पाटिल के खिलाफ किया प्रदर्शन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। हाल ही में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) से शिवसेना (शिंदे गुट) में शामिल हुए सांसद संजय दीना पाटिल द्वारा पत्रकारों के साथ कथित अभद्र भाषा का प्रयोग करने और मारपीट की धमकी देने के मामले को लेकर भिवंडी के पत्रकारों ने तीव्र नाराजगी व्यक्त की है। सांसद के कथित बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद राज्यभर में विरोध दर्ज कराया जा रहा है।इसी क्रम में भिवंडी के पत्रकार बड़ी संख्या में महानगरपालिका मुख्य प्रवेश द्वार के बाहर एकत्रित हुए और सांसद संजय दीना पाटिल के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए सार्वजनिक रूप से विरोध प्रदर्शन किया। पत्रकारों ने इस घटना को लोकतंत्र और प्रेस की स्वतंत्रता पर हमला बताया।

प्रदर्शन के बाद पत्रकारों के एक प्रतिनिधिमंडल ने भिवंडी के पुलिस उपायुक्त पवन बनसोड से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में पत्रकार सुरक्षा कानून के तहत सांसद के खिलाफ मामला दर्ज करने तथा कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई। पत्रकारों का कहना है कि मीडिया कर्मियों के प्रति इस प्रकार की धमकी भरी और अपमानजनक भाषा किसी भी जनप्रतिनिधि को शोभा नहीं देती। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई करने और दोषियों के खिलाफ उचित कानूनी कदम उठाने की मांग की है। इस विरोध प्रदर्शन में भिवंडी शहर के बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे।

1 जुलाई को रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर व टीमा एवं एमपीए द्वारा महारक्तदान शिविर का आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। रक्त की कमी के कारण जीवन और मृत्यु से संघर्ष कर रहे जरूरतमंद मरीजों के लिए संजीवनी समान माने जाने वाले महादान रक्तदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर व तारापुर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (टीमा) तथा पालघर तहसील मेडिकल प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन (एमपीए) के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार 1 जुलाई 2026 को डॉक्टर्स डे के मौके पर भव्य मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह महा रक्तदान शिविर पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत एमआईडीसी तारापुर स्थित टीमा हॉल में आयोजित होगा। शिविर का संचालन महाराष्ट्र ब्लड सेंटर, पालघर के सहयोग से प्रातः 9 बजे से सायं 4 बजे तक किया जायेगा। कार्यक्रम का आयोजन टीमा के अध्यक्ष डी.के. राऊत, एमपीए के अध्यक्ष डॉ. विकास पाटील तथा रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण वैश्य के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण परियोजना के सूत्रधार क्लब के पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन डॉ. पराग कुलकर्णी हैं। परियोजना प्रभारी के रूप में इंस्पायर पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन राम नारायण गोयल तथा रोटेरियन डॉ. राकेश आचार्य शिविर को सफल बनाने हेतु सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। परियोजना के समन्वयक रोटेरियन अनिल जगदाले, पास्ट प्रेसिडेंट विनायक पदमवार, रोटेरियन मुकेश भाटिया एवं रोटेरियन संतोष बंग हैं, जबकि क्लब सचिव रोटेरियन रेखेश जैन पूरी टीम के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक सहयोग प्रदान कर रहे हैं। डॉ. पराग कुलकर्णी एवं क्लब अध्यक्ष डॉ. प्रवीण वैश्य ने औद्योगिक क्षेत्र की सभी इकाइयों, सामाजिक संगठनों, नागरिकों एवं विशेष रूप से युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान कर इस जनहितकारी अभियान को सफल बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति का रक्तदान किसी जरूरतमंद को नया जीवन दे सकता है और यह सुनिश्चित कर सकता है कि किसी भी व्यक्ति की जान केवल रक्त के अभाव में न जाये। आयोजकों ने सभी नागरिकों से इस महायज्ञ में सहभागी बनकर मानव सेवा के इस पुनीत कार्य में अपना योगदान देने का आग्रह किया है।

वसई वेस्ट में राजेंद्र शांताराम घोलप ने की शिष्टाचार भेंट, सहकार और जनहित के मुद्दों पर चर्चा

वसई (उत्तरशक्ति)। ठाणे-पालघर डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के पंचवर्षीय चुनाव (2026-2031) के संदर्भ में भाजपा-शिवसेना-राष्ट्रवादी (अजित पवार गुट) महायुति के परिवर्तन पैनल के विमुक्त जाति-भटक्या जमाती निर्वाचन क्षेत्र के उम्मीदवार राजेंद्र शांताराम घोलप ने वसई वेस्ट स्थित विधायक पब्लिक रिलेशन्स ऑफिस में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान सहकारिता क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों, सामाजिक विकास तथा जनहित से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान राजेंद्र शांताराम घोलप को आगामी चुनावों के लिए शुभकामनाएं दी गईं और उनके सफल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम में भाजपा वसई-विरार शहर जिला महासचिव बिजेंद्र कुमार, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष मैथ्यू कोलासो, एसआईआर वसई विधानसभा प्रमुख मयंक शेठ, चंद्रशेखर खेडेकर सहित अन्य पदाधिकारी और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। बैठक के दौरान क्षेत्र के विकास, सहकारी संस्थाओं की मजबूती और विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया गया। महायुति के परिवर्तन पैनल की ओर से आगामी चुनावों में व्यापक जनसमर्थन मिलने का विश्वास व्यक्त किया गया।

पालघर में मॉडल इंडियन पार्लियामेंटरी सिस्टम का हुआ भव्य आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर के शैक्षणिक एवं सामाजिक क्षेत्र में एक ऐतिहासिक पहल के रूप में पहली बार मॉडल इंडियन पार्लियामेंटरी सिस्टम का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम रोटरी क्लब ऑफ पालघर, इनरव्हील क्लब ऑफ पालघर, सोनोपंत दांडेकर शिक्षण मंडल (एसडीएसएम कॉलेज), रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3141, रोटरैक्ट डिस्ट्रिक्ट 3141 तथा रोटरी क्लब वेस्टर्न एलिट के संयुक्त तत्वावधान में एसडीएसएम कॉलेज, पालघर में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तौर पर पालघर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. हेमंत सावरा मौजूद रहे। वहीं पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख, नगराध्यक्ष उत्तम घरत तथा पालघर फलाही तंजीम के अध्यक्ष हाजी साजिद शेख विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर 700 से अधिक विद्यार्थी, शिक्षक, परीक्षक, पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता और नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण यूट्यूब के माध्यम से भी किया गया, जिसे बड़ी संख्या में लोगों ने देखा।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मॉक संसद सत्र रहा, जिसमें पालघर जिले के पांच महाविद्यालयों के 40 विद्यार्थियों ने सांसदों की भूमिका निभाते हुए विभिन्न राष्ट्रीय मुद्दों पर प्रभावशाली चर्चा की।

विद्यार्थियों ने अपने उत्कृष्ट वक्तृत्व, नेतृत्व क्षमता, शोध कौशल और लोकतांत्रिक मूल्यों की समझ का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इस आयोजन की तैयारी विद्यार्थियों और प्रशिक्षकों ने लगभग तीन महीने तक की। प्रशिक्षक विवेक वरभुवन के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने संसदीय कार्यप्रणाली का गहन अध्ययन कर प्रभावशाली प्रस्तुति दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में एसडीएसएम कॉलेज के प्राचार्य प्रो. किरण सावे, उपप्राचार्य महेश देशमुख, पोल सर, मधुरा राऊत तथा महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

रोटरी क्लब ऑफ पालघर के अध्यक्ष डॉ. संजय महाजन, अध्यक्ष-निर्वाचित भूषण सावे, सचिव मनीष पिंपळे, एमआईपीएस चेयरमैन पीपी रफिक लुलानिया, इनरव्हील क्लब की अध्यक्षा विनीता पाटील, सह-अध्यक्ष शमीम लुलानिया, असिफून धनानी, अश्मी पारेख, यशोवर्धन, गार्गी कल्पेश पाटील, अमित राजपुरोहित, हितेश जैन, रफिक धडा, गणेश घुगे, शैला महाजन तथा डॉ. कल्पेश जयवंत पाटील (आप्पा) सहित रोटरी और इनरव्हील क्लब के सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में विशेष योगदान दिया।

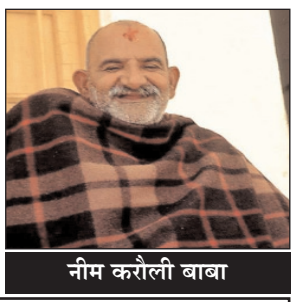

नीम करौली बाबा

5000 ओरिगामी खरगोशों से सोनम अग्रवाल ने रचा विश्व इतिहास

मुंबई (उत्तरशक्ति)। एक साधारण कागज का टुकड़ा भी इतिहास रच सकता है, यदि उसके साथ सपने, मेहनत और समर्पण जुड़ जाएं। पुणे की सोनम अग्रवाल ने इसे सच साबित कर दिखाया है। सोनम अग्रवाल ने 5000 ओरिगामी खरगोशों का विश्व का सबसे बड़ा प्रदर्शन तैयार कर "Largest Display of Origami Rabbits"का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया। यह भव्य स्थापना 31 फीट लंबी और 12 फीट चौड़ी थी तथा इसे विश्व की सबसे बड़ी ओरिगामी खरगोश इंस्टॉलेशन के रूप में मान्यता प्राप्त हुई।

इस रिकॉर्ड प्रयास का मूल्यांकन मिलिंद केलकर, प्रज्योत पालिमकर और तान्या जैन द्वारा किया गया। ओरिगामी जापान की पारंपरिक कागज मोड़ने की कला है, जिसमें बिना काटे और बिना चिपकाए केवल कागज की तहों से अद्भुत आकृतियां बनाई जाती हैं। इसी कला के माध्यम से सोनम ने विश्व स्तर पर भारत का नाम रोशन किया।इस उपलब्धि के पीछे 16 घंटे का अथक परिश्रम छिपा है। सुबह 10 बजे शुरू हुआ यह कार्य लगातार अगले दिन सुबह 4 बजे तक चलता रहा। यह केवल एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि धैर्य, अनुशासन, समर्पण और निरंतरता का प्रतीक है।

सोनम को आधिकारिक गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ, जिसने उनके वर्षों के सपने को साकार कर दिया। सोनम कहती हैं, मेरे लिए कला केवल एक शौक नहीं, बल्कि एक ध्यान है। ओरिगामी का हर मोड़ मुझे धैर्य, एकाग्रता और मानसिक शांति का अनुभव कराता है। यह उपलब्धि केवल सोनम की व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि पूरे भारत के लिए गर्व का क्षण है। विश्व की सबसे बड़ी ओरिगामी खरगोश स्थापना बनाकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की रचनात्मकता और प्रतिभा का परिचय दिया है।

महिलाओं, गृहिणियों, कलाकारों और युवाओं को संदेश देते हुए सोनम कहती हैं, अपने हुनर को कभी छोटा मत समझिए। इतिहास रचने के लिए बड़े संसाधनों की नहीं, बड़े सपनों की आवश्यकता होती है। यदि एक साधारण कागज का टुकड़ा गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बना सकता है और भारत का नाम विश्वभर में रोशन कर सकता है, तो आपके सपने भी दुनिया बदल सकते हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उजाड़ा घर का चिराग

◆ बाइक सवार युवक की मौत, पिता घायल

प्रियेश गुप्ता रुद्रा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर थाना क्षेत्र के मतरी बाजार में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसके पिता घायल हो गए। हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार, सरसीज पांडे (25 वर्ष) पुत्र शेषमणि पांडे, निवासी चौकी खुर्द (मीरगंज), अपने पिता को बाइक पर बैठाकर किसी कार्य से मछलीशहर जा रहे थे। सुबह करीब 11 बजे जैसे ही वे मतरी बाजार पहुंचे, सामने से तेज रफ्तार में आ रहे एक अज्ञात चार पहिया वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि सरसीज पांडे गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े, जबकि उनके पिता शेषमणि पांडे को भी चोटें आईं। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को 108 एम्बुलेंस के जरिए जिला अस्पताल भेजा गया। वहां चिकित्सकों ने सरसीज पांडे को देखते ही मृत घोषित कर दिया। वहीं प्राथमिक उपचार के बाद घायल पिता को घर भेज दिया गया।

घटना की सूचना मिलते ही मछलीशहर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की असमय मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है तथा गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस फरार वाहन और उसके चालक की तलाश में जुटी है तथा मामले की जांच की जा रही है।

बस की चपेट में आने से बाइक सवार की हुई मौत, चालक गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज नगर के आजमगढ़ मार्ग स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के समीप मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब पीछे से आ रही रोडवेज बस ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोपहर करीब दो बजे बाइक सवार युवक सड़क पर जा रहा था तभी पीछे से तेज रफ्तार रोडवेज बस ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही युवक बस के पिछले पहिये के नीचे आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आसपास के लोगों की भारी भीड़ जुट गई और मौके पर अफरा तफरी का माहौल बन गया।मृतक की पहचान विवेकानंद सिंह (48) निवासी सिरजहांपुर थाना पवई जनपद आजमगढ़ के रुप में हुई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल रोडवेज बस को कब्जे में लेते हुए चालक को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं हादसे की खबर मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह ने बताया कि मामले की जांच जारी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। नगर के व्यस्त आजमगढ़ मार्ग पर हुए इस हादसे ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और भारी वाहनों की रफ्तार पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था को और सुदृढ़ किए जाने की मांग की है।

पट्टीदारों ने रिहायशी मड़हे में लगाई आग, लाखों का सामान जलकर राख

सरायख्वाजा के इटौरी गांव में आधी रात की घटना, पीड़ित परिवार में दहशत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के इटौरी गांव में पुरानी रंजिश के चलते पट्टीदारों पर रिहायशी मड़हे में आग लगाने का आरोप लगा है। आग लगने से दो रिहायशी मड़हे जलकर राख हो गए तथा उनमें रखा कपड़ा, बर्तन, खाद्यान्न समेत घरेलू सामान नष्ट हो गया। पीड़ित परिवार ने पुलिस को नामजद तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार गांव निवासी नन्हकू गौतम का करीब एक सप्ताह पूर्व पड़ोसियों से जमीन विवाद को लेकर विवाद और मारपीट हुई थी। इस मामले में नन्हकू गौतम एवं उनके परिवार के सदस्य घायल हुए थे, जिसके बाद उन्होंने आधा दर्जन से अधिक लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कराया था।

आरोप है कि इसी मुकदमे से नाराज होकर मंगलवार देर रात दबंग पट्टीदारों ने नन्हकू गौतम के रिहायशी मड़हे में आग लगा दी। घटना के समय परिवार के सदस्य घर के बाहर सो रहे थे। देखते ही देखते आग ने दो मड़हों को अपनी चपेट में ले लिया और उनमें रखा घरेलू सामान जलकर राख हो गया।

आग की लपटें उठती देख परिवार के लोगों ने शोर मचाया, जिसके बाद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक दोनों मड़हे पूरी तरह जल चुके थे।

पीड़ित नन्हकू गौतम ने आरोपियों के खिलाफ नामजद तहरीर देकर सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि आरोपी दबंग प्रवृत्ति के हैं और भविष्य में भी किसी बड़ी घटना को अंजाम दे सकते हैं। घटना के बाद से पूरा परिवार भय और दहशत के माहौल में जी रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

पारिवारिक कलह से आहत युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

◆ फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुँचकर की जाँच-पड़ताल

निशानाथ

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के एक गाँव में गुरुवार सुबह एक युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की घटना से पूरे गाँव में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुँची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी। घटना के पीछे पारिवारिक कलह को प्रमुख कारण माना जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गोरारी खलीलपुर निवासी मोहनलाल राजभर (40 वर्ष) पुत्र स्वर्गीय नंदलाल राजभर बुधवार रात अपने घर में सोने के लिए गए थे। बताया जाता है कि उन्होंने घर का दरवाजा अन्दर से बन्द कर लिया था। गुरुवार सुबह काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुला और न ही अन्दर से कोई प्रतिक्रिया मिली। परिजनों और ग्रामीणों ने कई बार आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

अनहोनी की आशंका होने पर ग्रामीण छत के रास्ते घर के ऊपर पहुँचे और रोशनदान से अन्दर झांककर देखा। वहाँ का दृश्य देखकर सभी स्तब्ध रह गए।

मोहनलाल राजभर कमरे के अन्दर फांसी के फंदे से लटके हुए थे। घटना की जानकारी मिलते ही गाँव में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। सूचना पर थाना खेतासराय पुलिस तत्काल मौके पर पहुँची और शव को कब्जे में लेकर जाँच शुरू की। पुलिस ने घटना की जानकारी फोरेंसिक टीम को भी दी, जिसके बाद साक्ष्य संकलन की प्रक्रिया शुरू की गई।

ग्रामीणों के अनुसार मृतक का अपनी पत्नी किरन से बिदाई को लेकर अक्सर विवाद हो जाता था, घटना की बीती रात मृतक ससुराल अपनी पत्नी को लिवाने ही गया था परंतु उसकी पत्नी नही आई । मृतक के कोई बच्चे नहीं है। बताया जा रहा है कि पत्नी अपने मायके में रह रही थी और काफी दिनों से ससुराल वापस नहीं आ रही थी। इसी बात को लेकर मोहनलाल मानसिक रूप से परेशान चल रहे थे। आशंका जताई जा रही है कि पारिवारिक कलह और मानसिक तनाव के कारण उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठाया। थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जाँच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे सुरक्षा बल शाहगंज में मनोज कुमार ने संभाला प्रभारी निरीक्षक का पदभार

यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे संपत्ति की निगरानी को मिलेगी नई दिशा

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) पोस्ट शाहगंज में नव नियुक्त प्रभार निरीक्षक मनोज कुमार ने 17 जून को विधिवत रूप से अपना पदभार ग्रहण कर लिया। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया तथा रेलवे स्टेशन परिसर की सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। पत्रकार वार्ता के दौरान प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा, रेलवे संपत्ति की रक्षा तथा अपराध नियंत्रण उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने आरपीएफ जवानों को सतर्कता एवं अनुशासन के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। साथ ही स्टेशन परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया। पदभार ग्रहण के अवसर पर आरपीएफ के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने रेलवे स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण कर सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कर्मचारियों ने आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में आरपीएफ शाहगंज सुरक्षा एवं जनसेवा के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल करेगा।

महिला को पीटकर किया घायल

खुटहन,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दरना गांव में गुरुवार को मनबढ़ पड़ोसी के द्वारा सामूहिक नाली से पानी रोक दिए जाने का विरोध करने पर एक महिला को पीटकर घायल कर दिया। महिला ने दो हमलावरों के खिलाफ थाने में नामजद तहरीर दी है। गांव निवासी जड़ावती देवी पत्नी इंद्रजीत यादव का आरोप है कि बस्ती में जल निकास हेतु नाली बनी है। जो जल खाते की भूमि में आकर गिरी है। नाली में पूरे गांव का पानी बहता है। आरोप है कि पड़ोस के दो मनबढ़ युवकों ने उसके घर का पानी मिट्टी डालकर कर रोक दिया। विरोध करने पर उक्त दोनों युवकों ने उसे लात घूंसो और डंडे से पीटकर घायल कर दिया। महिला का उपचार सीएससी पर किया गया।

समरस फाउंडेशन ने किया पूर्व अधीक्षक रामचंद्र पांडे का सम्मान

सुल्तानपुर (उत्तरशक्ति)। मुंबई की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था समरस फाउंडेशन द्वारा आज बृहन्मुंबई महानगरपालिका शिक्षण विभाग के पूर्व अधीक्षक रामचंद्र पांडे का सुल्तानपुर जनपद के बेदूपारा गांव स्थित उनके घर पर सम्मान किया गया। संस्था के महासचिव तथा वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे और संस्था के सचिव एडवोकेट भारत पांडे ने संस्था की तरफ से उनका सम्मान किया तथा संस्था के चेयरमैन डॉ किशोर सिंह की तरफ से शुभकामनाएं दी। 2010 में सेवानिवृत होने के बाद श्री पांडे लगातार शैक्षणिक तथा सामाजिक गतिविधियों से जुड़े हुए हैं। गांव में भी उन्होंने सुंदर घर बनाने के साथ साथ आसपास आम के बगीचे लगा रखे हैं, जिनमें तैयार फलों का भी आज आनंद लिया गया। रामचंद्र पांडे ने कहा कि सेवानिवृत होने के बाद गांव में रहने का आनंद ही कुछ और है। यहां शुद्ध जल ,शुद्ध हवा और शुद्ध भोजन मिलने से शरीर को अतिरिक्त ऊर्जा प्राप्त होती है।

वाराणसी साइबर क्राइम थाना द्वारा ऑनलाइन बेटिंग व जुआ का कारोबार करने वाले गैंग का किया पदार्फाश

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में ऑनलाइन के माध्यम से जुआ और सट्टा का कारोबार करने वाले 02. को किया गया गिरफ्तार एसीपी विदुष सक्सेना नें बताया की करीब 5 लाख रुपये को 2 खाते मे सीज भी कराया

गया। गिरफ्तार आरोपी में दीपक सिंह निवासी थाना गोबिंद नगर कानपुर, नवनीत सिंह निवासी कानपुर। इनके पास से 09 मोबाइल फोन व 12 सिम कार्ड बरामद किया गया। गिरफ्तार करने वाली टीम मे निरीक्षक विजय नारायण मिश्र, निरीक्षक उदयवीर सिंह, उप निरीक्षक विवेक सिंह, उप निरीक्षक आलोक कुमार यादव, कांस्टेबल चंद्रशेखर यादव, कांस्टेबल देवेंद्र यादव, अवनीश सिंह, अनिल मौर्य कांस्टेबल शामिल रहे।

जौनपुर चैम्पियन ट्रॉफी: होटल सत्यम ने एआर इण्टरप्राइजेज को 9 विकेट से हराया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर स्थित मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज के मैदान पर आयोजित जौनपुर चैम्पियन ट्रॉफी क्रिकेट प्रतियोगिता में बुधवार को एआर इण्टरप्राइजेज और होटल सत्यम के बीच मुकाबला खेला गया। मैच में होटल सत्यम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एआर इण्टरप्राइजेज को एकतरफा अंदाज में पराजित कर जीत दर्ज की।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी एआर इण्टरप्राइजेज की टीम 30 ओवर में 92 रन बनाकर सिमट गई। होटल सत्यम की ओर से गेंदबाज हामीद ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 3.3 ओवर में मात्र 9 रन देकर 3 विकेट झटके। 93 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी होटल सत्यम की टीम ने आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए महज 7.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम की जीत के नायक अनूप यादव रहे, जिन्होंने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए 25 गेंदों पर नाबाद 58 रन बनाए और अपनी टीम को आसान जीत दिलाई। अनूप यादव के शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। होटल सत्यम की इस जीत से टीम के खिलाड़ियों और समर्थकों में उत्साह का माहौल है।

चेकिंग अभियान से मचा हड़कंप, कई कोचिंग संस्थानों पर लटके ताले

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में लखनऊ के एक इंस्टीट्यूट में हुए भीषण अग्निकांड के बाद वाराणसी में भी फायर सेफ्टी को लेकर प्रशासन सक्रिय हो गया है। इसी क्रम में लालपुर-पांडेयपुर थाना क्षेत्र में मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) आनंद सिंह राजपूत, अग्निशमन विभाग की टीम और थाना लालपुर-पांडेयपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने विभिन्न कोचिंग संस्थानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जांच की।चेकिंग अभियान शुरू होते ही कई संस्थानों में हड़कंप मच गया। पांडेयपुर क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान कुछ कोचिंग संस्थानों के संचालक ताला लगाकर मौके से चले गए, जबकि कई प्रतिष्ठानों ने अपने बैनर और पोस्टर हटाने शुरू कर दिए। कुछ स्थानों पर संचालकों ने अपने बोर्ड और विज्ञापन बैनरों को कागज से ढक दिया, जिससे क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना रहा।

संयुक्त टीम ने फायर सेफ्टी उपकरणों, आपातकालीन निकास, भवन सुरक्षा और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जांच की।

अधिकारियों ने सुरक्षा मानकों का पालन करने और आवश्यक अग्निशमन उपकरणों को दुरुस्त रखने पर विशेष जोर दिया।स्थानीय लोगों के अनुसार, चेकिंग अभियान के दौरान क्षेत्र में काफी हलचल देखने को मिली और कई संस्थान संचालक आवश्यक दस्तावेजों एवं सुरक्षा मानकों को लेकर सतर्क नजर आए। प्रशासन की इस कार्रवाई को सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और भविष्य में किसी भी संभावित दुर्घटना को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

इलाज के दौरान गर्भवती महिला की मौत, चिकित्सक व कर्मचारियों पर केस

खुटहन,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अस्पताल रोड स्थित किरण अस्पताल में उपचार के दौरान छह माह की गर्भवती महिला की मौत हो जाने से स्वजन आक्रोशित हो गये। उन्होंने उपचार में लापरवाही का आरोप लगाते हुए चिकित्सक व अस्पताल कर्मचारियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। घटना के बाद अस्पताल बंद कर आरोपितों के फरार होने की बात कही जा रही है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

सरपतहा थाना क्षेत्र के पट्टी नरेंद्रपुर गांव निवासी रिंकू माली की पत्नी लक्ष्मी छह माह की गर्भवती थीं। स्वजनों का कहना है कि गर्भधारण के बाद से उनका इलाज उक्त निजी अस्पताल में चल रहा था। बुधवार को अचानक पेट में तेज दर्द होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोप है कि उपचार शुरू होने के

बाद उनकी स्थिति में सुधार होने के बजाय दर्द और बढ़ गया।

स्वजनों के मुताबिक शाम के समय चिकित्सक लक्ष्मी को जिले के एक निजी अस्पताल ले गए। वहां से आधी रात के बाद उन्हें वापस लाया गया और बताया गया कि ऑपरेशन के दौरान उनकी मृत्यु हो गई है। यह सूचना मिलते ही स्वजनों में कोहराम मच गया। घटना को लेकर परिवार वालों और अस्पताल पक्ष के बीच कहासुनी भी हुई। स्वजनों का यह भी आरोप था कि मृत नवजात का शव न तो उन्हें दिखाया गया और न हीं दिया गया। इसी रोड पर स्थित एक पैथोलॉजी जहां मृतका का अल्ट्रासाउंड किया गया था,जब पुलिस जांच पड़ताल को वहां पहुंची तो संचालक ने बताया कि सारा डेटा कंप्यूटर से डिलीट हो गया है।

मृतका के पति रिंकू थाने पहुंच चिकित्सक तथा कर्मचारियों के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने आरोपों के आधार पर गैर इरादतन हत्या सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने जनता दर्शन में फरियादियों की सुनी समस्याएं

जनसुनवाई के दौरान जनता की शिकायतों को संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के दिए निर्देश

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार ने कलेक्ट्रेट स्थित अपने चैंबर में जनसुनवाई के दौरान जन सामान्य की शिकायतों को सुना एवं दूरभाष पर वार्ता कर संबंधित अधिकारियों को शासन के मन्सानुरुप, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिया।

जिलाधिकारी द्वारा एक-एक व्यक्तियो की समस्याओ को सुना गया। प्राप्त जन समस्याओ में कई लोगो की समस्याओ को मौके पर ही अधिकारियों को बुलाकर उनका निस्तारण कराया गया तथा अधिकांश लोगो की समस्याओ को सम्बन्धित विभाग के अधिकारी उनके मोबाइल पर भेजकर ससमय गुणवत्तापूर्ण निस्तारण का निर्देश दिया गया।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि जो जन समस्याएं उनके पास भेजी जा रही है उनकी समस्याओ को मानवीय दृष्टिकोण से गम्भीरता पूर्वक सुना जाए तथा निर्धारित समय सीमा के अन्दर निस्तारण करते हुये फरियादी को अवगत भी कराया जाए ताकि उन्हे बार-बार इधर उधर भटकना न पड़ें।

दिनांक 3 से 5 जुलाई, 2026 तक आयोजित होगा आम महोत्सव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला उद्यान अधिकारी डॉ0 सीमा सिंह राणा ने अवगत कराया कि 3, 4 एवं 5 जुलाई, 2026 को इंदिरा गाँधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आम महोत्सव का आयोजन किया जायेगा। आम महोत्सव के माध्यम से किसानो, निर्यातको, उद्यमियो एंव उपभोक्ताओ को एक मंच पर लाकर आम उत्पादन प्रसंस्करण विपणन एंव निर्यात को नई गति देने का प्रयास किया जायेगा। बताया गया कि उ0प्र0 देश का अग्रणी आम उत्पादक राज्य है, महोत्सव के दौरान पाँच श्रेणियों में प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएँगी, जिनमें आम की विभिन्न प्रजातियाँ, आम आधारित संरक्षित उत्पाद, आम से बने व्यंजन, सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनी तथा सर्वाधिक प्रदर्शन करने वाले बागवान शामिल हैं। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य किसानों एवं आम उत्पादकों को उन्नत उत्पादन तकनीक, तुड़ाई उपरांत प्रबंधन (पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट), प्रसंस्करण, ब्रांडिंग, विपणन तथा निर्यात संबंधी आधुनिक जानकारियाँ उपलब्ध कराना है। महोत्सव में उत्कृष्ट आम उत्पादकों एवं बागवानों को सम्मानित भी किया जाएगा। यह आयोजन आम उत्पादकों के लिए नई तकनीकों, बेहतर विपणन अवसरों तथा प्रोत्साहन प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण मंच सिद्ध होगा। उन्होंने जनपद के आम बागवानो से अपील किया है कि अधिक से अधिक संख्या में आम के प्रदर्श, संरक्षित उत्पाद, व्यंजन प्रतियोगिता में इंदिरा गाँधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में प्रतिभाग करें। अधिक जानकारी के लिए जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय में सम्पर्क करें।

दिव्यांग छात्रों की उच्च शिक्षा पर मंथन, विशेष सुविधाओं की दी गई जानकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास भवन सभागार में जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी राजेश कुमार नायक के नेतृत्व में दिव्यांगजनों की उच्च शिक्षा एवं उनके शैक्षिक सशक्तिकरण को लेकर एक महत्वपूर्ण संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति डॉ. संजय सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपनिदेशक मीनू सिंह उपस्थित रहीं।

संगोष्ठी में जिले में संचालित विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, समाज कल्याण अधिकारी, पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में विशेष रूप से कक्षा 8 के बाद दिव्यांग छात्र-छात्राओं की उच्च शिक्षा की संभावनाओं एवं उपलब्ध अवसरों पर चर्चा की गई।

कुलपति डॉ. संजय सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि दिव्यांग छात्रों से किसी प्रकार की शैक्षणिक फीस नहीं ली जाती तथा उन्हें छात्रावास की सुविधा भी प्रदान की जाती है। उन्होंने अभिभावकों और शिक्षकों से दिव्यांग बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

उपनिदेशक मीनू सिंह ने

दिव्यांगजन कल्याण से जुड़ी योजनाओं एवं सुविधाओं की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार दिव्यांगजनों को शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

विश्वविद्यालय से आए दुष्यंत त्यागी ने दिव्यांगता के विभिन्न क्षेत्रों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि श्रवण बाधित एवं दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय में विशेष शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे वे बिना किसी बाधा के अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें।

कार्यक्रम का संचालन जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी राजेश कुमार नायक ने किया। इस अवसर पर बड़े बाबू घनश्याम, डॉ. प्रमोद कुमार सैनी, डॉ. संजय मिश्रा, डॉ. संतोष सिंह, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. राहुल राजभर सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संगोष्ठी में दिव्यांग विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए सभी संबंधित विभागों एवं संस्थाओं के समन्वित प्रयासों पर बल दिया गया।

जिला सेवायोजन कार्यालय, कैम्पस में 27 जून 2026 को रोजगार मेला का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति। निदेशक, सेवायोजन उ०प्र० लखनऊ एवं जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में जिला सेवायोजन कार्यालय परिसर निकट नारायण नर्सिंग होम जौनपुर में 27 जून 2026 को प्रातः 10:00 बजे से रोजगार मेला का आयोजन किया गया हैं। जिसमें निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा प्रतिभाग किया जाना प्रस्तावित हैं, शैक्षिक योग्यताः- हाईस्कूल, इंटर, आई० टी०आई०, पॉलीटेक्निक, डिप्लोमा एवं स्नातक उर्तीर्ण 18 से 40 वर्ष के प्रतिभाग कर सकते हैं। जिसमें अभ्यर्थी अपने योग्यतानुसार प्रतिभाग करते हुए विभिन्न पदों पर साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार प्राप्त कर सकते है।

जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि रोजगार मेला में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ शैक्षिक अभिलेखों की छायाप्रति आई०डी० प्रूफ बायोडाटा सहित वेब पोर्टल- roj-gaarsangam.up.gov.in के माध्यम से पंजीकरण कर लाभान्वित हो सकते है।

गायों के लिए हरा चारा व हरितमा खातिर लगाए 5 पोधे

चिराना। उदयपुरवाटी में वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी के पद पर कार्यरत डॉ राजेंद्र कुमावत ने अपना जन्मदिन सादगीपूर्ण मनाते हुए गायों के लिए हरा चारा और हरियालो राजस्थान की मुहिम को मूर्त रूप देते हुए पौधे लगाकर अपना जन्मदिन खास लोगो की मौजूदगी में मनाया। उन्होंने आज ग्रामीण शिविर पचलंगी में अपनी ड्यूटी के दौरान वहां पर हो रहे पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान वहां पधारे भाजपा के वरिष्ठ नेता व लोकसभा के प्रत्याशी रहे शुभकरण चौधरी के सानिध्य में वहां के विद्यालय में पौधा लगाया और पांच पौधे उन्होंने अपने गृह वाटिका चिराना में रोपित किये। इस दौरान,नायब तहसीलदार सुरेंद्र कुड़ी,बीडीओ पूरणमल वर्मा,पंचायत सहायक मुंशीराम कुड़ी,युवानेता रोहताश सैनी,सरपंच प्रतिनिधि नेतराम पालीवाल,विद्यालय की प्रिंसिपल ऊषा बुढ़ानिया डॉ नीरज सैनी चिकित्सा अधिकारी जहाज मावता,रामनिवास खरींटा,वन रक्षक अधिकारी, धर्मवीर मील,सोहन लाल,कंपाउडर सुमेर गुजर,बाबूलाल वर्मा सहित कई जने उपस्थित रहे।

रेस्टोरेंट की आड़ में चल रहे कथित सेक्स रैकेट पर पुलिस का छापा

जौनपुर। शहर के तिलकधारी इंटर महिला कॉलेज के सामने स्थित पहाड़ी मैगी रेस्टोरेंट पर पुलिस प्रशासन ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए छापा मारा। पुलिस को सूचना मिली थी कि रेस्टोरेंट की आड़ में अवैध रूप से बनाए गए केबिनों में अनैतिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। सूचना के आधार पर पहुंची पुलिस टीम ने रेस्टोरेंट परिसर की गहन जांच की। कार्रवाई के दौरान रेस्टोरेंट में बने कई केबिनों की तलाशी ली गई तथा वहां मौजूद लोगों से पूछताछ की गई। पुलिस ने मौके से मिले साक्ष्यों और परिस्थितियों के आधार पर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस अधिकारियों की ओर से आधिकारिक रूप से किसी गिरफ्तारी अथवा बरामदगी की पुष्टि नहीं की गई है। मामले की जांच जारी है और जांच के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों के अनुसार, उक्त रेस्टोरेंट को लेकर लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है।

मोहर्रम पर निकला शोक जुलूस, गूंजे या हुसैन के नारे

कन्हैया कुमार मौर्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मोहर्रम के अवसर पर नगर के अहमद खान मंडी क्षेत्र में गुरुवार को शोक जुलूस निकाला गया। मेराज हैदर के आवास से शुरू होकर अहमद खां मंडी स्थित इमामबाड़े तक पहुंचे इस जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने हिस्सा लिया।

जुलूस के दौरान अजादारों ने इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए मातम और नौहाख्वानी की। पूरे मार्ग में या हुसैन और या अली के नारों से माहौल गूंजता रहा। श्रद्धालुओं ने कर्बला के शहीदों को खिराज-ए-अकीदत पेश करते हुए शांति, भाईचारे और इंसानियत का संदेश दिया।

निर्धारित मार्गों से गुजरते हुए जुलूस इमामबाड़े पहुंचा, जहां मजलिस और दुआ का आयोजन किया गया। इस दौरान क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था के भी पुख्ता इंतजाम रहे। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं श्रद्धापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण, गुणवत्ता और समयबद्धता के दिए निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी श्री सैमुअल पॉल एन. ने बुधवार देर शाम जफराबाद-सुल्तानपुर-लखनऊ रेलखंड पर जौनपुर सिटी यार्ड स्थित निर्माणाधीन 4-लेन रेल उपरिगामी सेतु (आरओबी) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य की प्रगति संतोषजनक पाए जाने पर उन्होंने सेतु निगम के अधिकारियों को सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए निर्धारित समय सीमा जून 2027 तक गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि आरओबी के निर्माण से क्षेत्र में जाम की समस्या से राहत मिलेगी और आवागमन अधिक सुगम एवं सुरक्षित होगा। उन्होंने कार्यस्थल पर श्रमिकों की संख्या बढ़ाकर निर्माण कार्य में तेजी लाने पर भी जोर दिया।

इसके बाद जिलाधिकारी ने सिकरारा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को उच्चीकृत कर बनाए जा रहे 100 शैयायुक्त चिकित्सालय के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। यहां निर्माण की प्रगति धीमी और गुणवत्ता अपेक्षित स्तर की न मिलने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था के प्रति नाराजगी जताई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा सभी कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप ही पूरे किए जाएं। साथ ही परियोजना को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने और अस्पताल परिसर में परियोजना संबंधी विवरण दशार्ने वाला सूचना बोर्ड लगाने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनहित की परियोजनाओं में पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है, ताकि आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं एवं आधारभूत संरचना का लाभ मिल सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नियमित निरीक्षण एवं सतत निगरानी बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

UPTET-2026 को लेकर प्रशासन पूरी तरह तैयार, डीएम ने दिए सख्त

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (UPTET)-2026 के निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं नकलविहीन आयोजन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें परीक्षा से संबंधित तैयारियों का जायजा लिया गया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को आयोग के दिशा-निदेर्शों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा की शुचिता एवं पारदर्शिता बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, विद्युत आपूर्ति, पेयजल, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि UPTET-2026 का आयोजन 2 एवं 3 जुलाई को दो-दो पालियों में तथा 4 जुलाई को प्रथम पाली में किया जाएगा। जनपद में कुल 23 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा के सफल संचालन हेतु 23 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 23 स्टैटिक मजिस्ट्रेट, 5 आरक्षित सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा 8 आरक्षित स्टैटिक मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं।

डीएम ने केंद्राध्यक्षों को उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराते हुए कहा कि परीक्षा की गोपनीयता, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता बनाए रखना उनकी प्रमुख जिम्मेदारी होगी। किसी भी प्रकार की लापरवाही या नियमों के उल्लंघन पर संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भीषण गर्मी को देखते हुए जिलाधिकारी ने सभी परीक्षा केंद्रों पर हेल्थ बूथ स्थापित करने, ओआरएस एवं प्राथमिक उपचार की व्यवस्था रखने तथा पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन एवं अन्य प्रमुख स्थानों पर टेंट लगाने तथा सार्वजनिक शौचालयों को सुचारु रखने के निर्देश भी दिए गए, ताकि बाहर से आने वाले अभ्यर्थियों एवं उनके परिजनों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) परमानंद झा, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, नगर मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह, समस्त उप जिलाधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, पुलिस विभाग के अधिकारी, केंद्राध्यक्ष एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

रास्ते के विवाद में मनबढ़ों ने पति-पत्नी को पीटा, दोनों घायल

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के नाऊपुर गांव के असौवा पुरवा में रास्ते के विवाद को लेकर मनबढ़ों ने पति-पत्नी की पिटाई कर दी। मारपीट में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित पक्ष ने कोतवाली में नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार असौवा पुरवा निवासी सुनीता पत्नी वीरेंद्र ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि पड़ोसी रास्ता बंद करने की नीयत से निर्माण कार्य करा रहा था। इसका विरोध करने पर आरोपित आग-बबूला हो गए और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। शोर सुनकर बीच-बचाव करने पहुंचे पति वीरेंद्र को भी आरोपितों ने मारपीट कर घायल कर दिया।

मारपीट की घटना में पति-पत्नी दोनों के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद परिजनों में आक्रोश व्याप्त है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है और आवश्यक कार्रवाई में जुटी हुई है।

हनुमान घाट सोनार मंडी में शॉर्ट सर्किट से मची अफरातफरी, बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के हनुमान घाट स्थित सोनार मंडी क्षेत्र में बिजली विभाग की कथित लापरवाही के चलते आए दिन होने वाले शॉर्ट सर्किट से दुकानदारों और क्षेत्रवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार देर रात एक बार फिर हुए भीषण शॉर्ट सर्किट ने पूरे इलाके में अफरातफरी मचा दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शॉर्ट सर्किट इतना भयावह था कि आसपास के दुकानदार और स्थानीय निवासी सहम गए। घटना के दौरान तेज चिंगारियां और धमाके जैसी आवाजें सुनाई देने से लोगों में दहशत का माहौल बन गया। एहतियात के तौर पर कई दुकानदार अपनी दुकानों से बाहर निकल आए और आसपास के लोगों ने भी सुरक्षित स्थानों की ओर रुख किया।

स्थानीय व्यापारियों का आरोप है कि क्षेत्र में बिजली के जर्जर तारों और उपकरणों की समस्या लंबे समय से बनी हुई है, जिसकी शिकायत कई बार विभागीय अधिकारियों से की जा चुकी है। इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया, जिसके कारण बार-बार शॉर्ट सर्किट की घटनाएं हो रही हैं। गनीमत रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है, लेकिन व्यापारियों का कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है। क्षेत्रीय लोगों ने बिजली विभाग से तत्काल जर्जर तारों को बदलने तथा विद्युत व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग की है, ताकि लोगों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

भाजपा ने मनाया डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस, संगोष्ठी में राष्ट्र सेवा का लिया संकल्प

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी जौनपुर इकाई ने जनसंघ के संस्थापक एवं प्रखर राष्ट्रवादी नेता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि को ₹बलिदान दिवस₹ के रूप में श्रद्धा एवं संकल्प के साथ मनाया। पार्टी कार्यालय पर आयोजित संगोष्ठी में नेताओं और कार्यकताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्य अतिथि एवं नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि कश्मीर से धारा 370 हटाए जाने के साथ ही ₹एक देश में दो प्रधान, दो विधान और दो निशान नहीं चलेंगे₹ का उनका संकल्प साकार हुआ है।

जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति और जनसेवा की प्रेरणा देता है। उन्होंने बताया कि बलिदान दिवस से लेकर 6 जुलाई तक पार्टी द्वारा व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा, जिसके तहत प्रत्येक बूथ पर पौधे लगाए जाएंगे।

कार्यक्रम के दौरान अशोक चौरसिया के क्षेत्रीय अध्यक्ष घोषित होने की सूचना मिलते ही कार्यकताओं ने उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया और मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं।

संगोष्ठी का संचालन जिला महामंत्री अजय सिंह ने किया। इस अवसर पर एमएलसी बृजेश सिंह प्रिंसू, पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष हरिश्चंद्र सिंह सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

समाजवादी मजदूर सभा द्वारा मजदूर पंचायत का आयोजन

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री अखिलेश यादव जी के निदेर्शानुसार समाजवादी मजदूर सभा उत्तर प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों में मजदूर पंचायत का आयोजन कर रही हैं। उस क्रम में आज जनपद वाराणसी के विधानसभा क्षेत्र शिवपुर के ग्राम भवानीपुर में मजदूर पंचायत हुई।

मजदूर पंचायत के वाराणसी प्रभारी डॉ अमित यादव जी राष्ट्रीय महासचिव समाजवादी मजदूर सभा और उनके साथ पार्षद श्री गोविंद सिंह पटेल जी और जिला पंचायत सदस्य श्री शम्भु यादव जी उपस्थित रहें।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ अमित यादव जी ने कहा कि समाजवादी मजदूर सभा ने 2027 विधानसभा चुनावों से पूर्व एक करोड़ मजदूरों को समाजवादी पार्टी से जोड़ने का लक्ष्य रखा हैं। भाजपा की डबल इंजन वाली सरकार मजदूरों का दुगनी रफ्तार से शोषण कर रही हैं। नए लेबर कोड मजदूरों के अधिकारों का हनन करते हैं और उद्योगपतियों के हित की बात करते हैं। भारतीय जनता पार्टी की मोदी सरकार देश के मजदूरों को गुलामी के रास्ते पर ले जाकर उन्हें उद्योगपतियों का बंधुआ मजदूर बनाना चाहती हैं। मजदूर केवल एक वर्ग नहीं है, बल्कि देश की रीढ़ है। जब मजदूर मजबूत होगा, तभी देश मजबूत होगा। इसलिए हमें मजदूर अधिकारों के प्रति जागरूक होना होगा और एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करनी होगी। आज मजदूर पंचायत के माध्यम से हम सब यह संकल्प लें– हर मजदूर को सम्मानजनक मजदूरी मिले। श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा की बेहतर व्यवस्था हो। ठेका प्रथा और शोषण के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं। युवाओं को रोजगार और मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित हो। इस मजदूर पंचायत की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष जय सिंह यादव टाइगर ने किया एवं संचालन जिला महासचिव धनंजय साहनी ने किया। कार्यक्रम में अरुण कुमार मौर्य, डी०न० गुप्ता, प्यारेलाल, मुन्ना लाल यादव, श्याम प्रकाश, केशव यादव, विष्णु प्रसाद यादव, मगरू, विशाल इत्यादि उपस्थित रहें।

पटना में होगा वीकेंड क्रिकेट बैश का भव्य शुभारंभ

पटना (उत्तरशक्ति)। बिहार में कॉर्पोरेट क्रिकेट को नई पहचान देने के उद्देश्य से वीकेंड क्रिकेट बैश का शुभारंभ किया जा रहा है। यह एक प्रीमियम कॉरपोरेट क्रिकेट लीग है, जिसका उद्देश्य उद्यमियों, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, डॉक्टरों, वकीलों, बैंकरों, स्टार्टअप संस्थापकों तथा विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवरों को क्रिकेट के माध्यम से एक साझा मंच पर जोड़ना है। वीकेंड क्रिकेट बैश का भव्य उद्घाटन समारोह 26 जून 2026 को शाम 4:30 बजे से 22 याड्र्स स्पोर्ट्स पार्क, संपतचक, पटना में आयोजित किया जाएगा। उद्घाटन समारोह के दौरान ब्रदरहुड सीरीज ट्रॉफी का अनावरण किया जाएगा, जिसके पश्चात टूर्नामेंट का पहला मुकाबला खेला जाएगा। यह आयोजन वीकेंड क्रिकेट बैश के प्रथम सीजन की औपचारिक शुरूआत का प्रतीक होगा। आयोजन समिति ने कहा कि वीकेंड क्रिकेट बैश केवल क्रिकेट खेलने का मंच नहीं है, बल्कि यह विभिन्न क्षेत्रों के प्रोफेशनल्स को एक परिवार की तरह जोड़ने का प्रयास है। हमारा उद्देश्य खेल के माध्यम से मित्रता, अनुशासन, नेतृत्व और भाईचारे की भावना को मजबूत करना तथा बिहार में कॉर्पोरेट क्रिकेट की नई संस्कृति विकसित करना है। इस लीग में विभिन्न कॉर्पोरेट टीमों के बीच प्रतिस्पर्धी मुकाबले आयोजित किए जाएंगे, जिनका संचालन पेशेवर स्तर पर किया जाएगा। खिलाड़ियों को उत्कृष्ट खेल सुविधाएँ, डिजिटल कवरेज, सम्मान और यादगार अनुभव प्रदान किया जाएगा। आयोजकों ने सभी खिलाड़ियों, कॉर्पोरेट प्रतिनिधियों, परिवारजनों, समर्थकों एवं क्रिकेट प्रेमियों से उद्घाटन समारोह में उपस्थित होकर इस ऐतिहासिक पहल का हिस्सा बनने की अपील की है।

मणिपुर में नगा नागरिकों व पादरियों की हत्या निंदनीय : मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव, पूर्व विधायक जौनपुर सदर एवं भारत किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद अरशद खान ने मणिपुर में लंबे समय से जारी हिंसा और हाल ही में छह नगा नागरिकों की हत्या की घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि राज्य में लगभग दो वर्षों से चल रही हिंसा, हत्याएं और जातीय संघर्ष देश की एकता, अखंडता और मानवता के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं।

पीडीए भवन, कटघरा से जारी प्रेस विज्ञप्ति में अरशद खान ने कहा कि अपहृत छह नगा नागरिकों की निर्मम हत्या अत्यंत दुखद और अमानवीय घटना है। मृतकों में दो ईसाई पादरियों के शामिल होने की भी जानकारी सामने आई है। अपहरण के लगभग एक माह बाद शवों की बरामदगी से पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है।

उन्होंने मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि किसी भी समुदाय, धर्म या जाति के निर्दोष लोगों की हत्या मानवता के विरुद्ध अपराध है। इस मामले की निष्पक्ष एवं त्वरित जांच कर दोषियों को कठोरतम दंड दिया जाना चाहिए।

अरशद खान ने केंद्र सरकार से मणिपुर में शांति और कानून व्यवस्था बहाल करने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है और देश के किसी भी राज्य में हिंसा व असुरक्षा का माहौल स्वीकार्य नहीं हो सकता।

उन्होंने कहा कि मणिपुर की जनता शांति, सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन की हकदार है। केंद्र और राज्य सरकार की सभी एजेंसियों को मिलकर हिंसा की जड़ों तक पहुंचकर स्थायी समाधान निकालना होगा, ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। अंत में उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति एवं शोक संतप्त परिवारों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

गन्ना किसानों के लिए प्रदेश सरकार की बड़ी पहल, प्रारम्भ हुई गन्ना कृषक सम्मान योजना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रदेश सरकार ने गन्ना किसानों को प्रोत्साहित करने और गन्ना उत्पादन को अधिक लाभकारी एवं प्रतिस्पर्धी बनाने के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2026-2027 से ह्लगन्ना कृषक सम्मान योजनाह्व शुरू करने का निर्णय लिया है। इस योजना के तहत उत्कृष्ट गन्ना उत्पादन, गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन एवं वितरण, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा सर्वाधिक गन्ना आपूर्ति करने वाले किसानों को सम्मानित किया जाएगा।

जिला गन्ना अधिकारी रंजीत कुमार निराला ने योजना के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए अवगत कराया कि प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप आयुक्त गन्ना एवं चीनी उ.प्र. द्वारा गन्ना कृषक सम्मान योजना प्रारम्भ की जा रही है। योजना के अन्तर्गत जनपद की सभी गन्ना समितियों में ऐसे किसानों का चयन किया जाएगा, जिन्होंने गन्ना खेती में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हों। सरकार का उद्देश्य प्रति हेक्टेयर गन्ना उत्पादन बढ़ाना, प्रमाणित एवं गुणवत्तापूर्ण बीज के उत्पादन और वितरण को प्रोत्साहित करना, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना तथा अधिकतम गन्ना आपूर्ति सुनिश्चित करना है। योजना के तहत चार श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे: पहली श्रेणी: पेड़ी गन्ना उत्पादकता के आधार पर क्राप कटिंग से चयन होगा। दूसरी श्रेणी: गुणवत्तापूर्ण बीज गन्ना उत्पादन एवं वितरण करने वाले किसानों को शामिल किया जाएगा। तीसरी श्रेणी: प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने वाले किसानों के लिए होगी। चौथी श्रेणी: चीनी मिलों को सर्वाधिक गन्ना आपूर्ति करने वाले किसानों का चयन किया जाएगा। जिला गन्ना अधिकारी ने आगे बताया कि प्रत्येक श्रेणी में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले किसानों को क्रमशः 10 हजार रुपए, 7500 रुपए एवं 5 हजार रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इसके अलावा विजेता किसानों को गन्ना समिति की सामान्य निकाय बैठक में शॉल, मोमेंटो एवं सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। आवेदन की शर्तें एवं प्रक्रिया: योजना में भाग लेने के लिए किसान का संबंधित गन्ना समिति का सदस्य होना, नियमित गन्ना आपूर्तिकर्ता होना तथा समिति का बकायेदार न होना आवश्यक है। साथ ही गन्ना आपूर्ति निर्धारित मानकों के अनुरूप की गई होनी चाहिए। इच्छुक किसान निर्धारित 50 रुपए आवेदन शुल्क के साथ अपनी संबंधित गन्ना समिति में आवेदन जमा कर सकते हैं। हालांकि, सर्वाधिक गन्ना आपूर्ति श्रेणी के लिए आवेदन शुल्क एवं आवेदन पत्र भरने की आवश्यकता नहीं होगी।